गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 302
दि. 06.03.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

तमिलनाडु की राजनीति में सुलह का सूत्र: आखिरी वक्त पर बचा डीएमके कांग्रेस गठबंधन, सीट समझौते के साथ चुनावी रण का शंखनाद

(जीएनएस)। तमिलनाडु की राजनीति में कई दिनों से चल रही अनिश्चितता और कयासों के दौर का अंत आखिरकार एक नाटकीय मोड़ पर हुआ, जब टूटने की कगार पर पहुंच चुका द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और कांग्रेस का पुराना गठबंधन अंतिम समय में बच गया। सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों दलों के बीच पैदा हुआ गंभीर मतभेद बुधवार को सुलझ गया और इसके साथ ही आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक समीकरण स्पष्ट हो गए। कई दौर की बातचीत, राजनीतिक दबाव और अंदरूनी खींचतान के बाद आखिरकार कांग्रेस को 28 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का अवसर मिला, जबकि गठबंधन की मजबूती के संकेत के तौर पर एक राज्यसभा सीट देने पर भी सहमति बन गई। इस घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की राजनीति में गठबंधन की मजबूरी और राजनीतिक संतुलन कितने महत्वपूर्ण हो चुके हैं।

पूरे घटनाक्रम के दौरान सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री P. Chidambaram ने, जिन्होंने संकटमोचक की तरह हस्तक्षेप कर दोनों दलों के बीच बढ़ती दूरी को कम करने का काम किया। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या को लेकर गंभीर मतभेद चल रहा था। कांग्रेस अपनी पिछली चुनावी सफलता और संगठनात्मक ताकत के आधार पर अधिक सीटों की मांग कर रही थी, जबकि M. K. Stalin के नेतृत्व वाली डीएमके शुरुआत में कांग्रेस को केवल 25 सीटें देने के पक्ष में थी। यही मतभेद धीरे-धीरे इतना गहरा हो गया कि गठबंधन टूटने की

आशंका तक पैदा हो गई थी।

स्थिति को गंभीर होते देख कांग्रेस नेतृत्व ने चिदंबरम को बातचीत की जिम्मेदारी सौंपी। चिदंबरम तमिलनाडु की राजनीति के अनुभवी और प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं और डीएमके नेतृत्व के साथ उनके लंबे समय से व्यक्तिगत और राजनीतिक संबंध भी रहे हैं। उन्होंने स्टालिन से लंबी और गहन बातचीत की, जिसमें दोनों दलों के हितों और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बताया जाता है कि इस बैठक में राजनीतिक संतुलन और गठबंधन की दीर्घकालिक मजबूती को ध्यान में रखते हुए कई विकल्पों पर विचार किया गया। अंततः बातचीत का सकारात्मक परिणाम निकला और डीएमके ने कांग्रेस की मांगों को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए सीटों की संख्या 25 से बढ़ाकर 28 करने पर सहमति दे दी।

इस समझौते के साथ ही तमिलनाडु की राजनीति में चल रहा 'हाई वोल्टेज ड्रामा' समाप्त हो गया और गठबंधन की गाड़ी फिर से पटरी पर लौट आई। कांग्रेस के लिए यह समझौता राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष K. Selvaperunthagai ने इसे पार्टी की बड़ी उपलब्धि बताया है। उनका कहना है कि कांग्रेस को न केवल 28 विधानसभा सीटें मिली हैं, बल्कि इसके साथ एक राज्यसभा सीट भी देने का फैसला किया गया है, जो इस गठबंधन में पार्टी की बढ़ती राजनीतिक अहमियत को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले चार दशकों में शायद ही कभी ऐसा अवसर आया हो जब तमिलनाडु में कांग्रेस अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने में इतनी सफल रही हो।

तमिलनाडु की राजनीति में डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन कोई नया नहीं है। दोनों दलों के बीच राजनीतिक सहयोग का इतिहास करीब दो दशकों से भी अधिक पुराना है। वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव से लेकर कई विधानसभा और लोकसभा चुनावों तक दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा है और कई बार उल्लेखनीय सफलता भी हासिल की है। इस लंबे सहयोग के कारण दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच भी एक राजनीतिक समझ और तालमेल विकसित हो चुका है। यही वजह है कि सीट बंटवारे को लेकर पैदा हुए विवाद के बावजूद दोनों पक्ष अंततः इस गठबंधन को बचाने के पक्ष में दिखाई दिए।

अगर पिछले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर नजर डाली जाए तो यह गठबंधन राज्य की राजनीति में काफी प्रभावशाली रहा है। वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में Dravida Munnetra Kazhagam के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस ने भारी जीत दर्ज की थी। राज्य की 234 विधानसभा सीटों में से डीएमके ने अकेले 133 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया था, जबकि Indian National Congress ने 18 सीटों पर विजय प्राप्त की थी। गठबंधन के अन्य सहयोगियों को मिलाकर कुल 159 सीटों पर जीत मिली थी, जिसने डीएमके को सत्ता में वापसी का मौका दिया। दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन को 75 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा था, जिसमें All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी और उसे 66 सीटें मिली थीं।

इस बार भी डीएमके और कांग्रेस दोनों ही इस जीत के सिलसिले को जारी रखने के लिए पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। सीट बंटवारे पर समझौते के बाद दोनों दलों के नेताओं ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने की कोशिश भी शुरू कर दी है। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि गठबंधन की मजबूती और सरकार के कामकाज के आधार पर इस बार भी जनता उनका समर्थन करेगी। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने तो यहां तक दावा कर दिया कि आगामी चुनाव में यह गठबंधन 210 से अधिक सीटें जीत सकता है और विपक्ष को करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

बिहार से दिल्ली की ओर: दो दशक के 'नीतीश युग' के बाद राज्यसभा में नई राजनीतिक पारी की शुरुआत

(जीएनएस)। बिहार की राजनीति का जब भी इतिहास लिखा जाएगा, उसमें Nitish Kumar का नाम किसी एक अध्याय तक सीमित नहीं रहेगा। वे उस पूरी कहानी का हिस्सा हैं जिसने पिछले दो दशकों में राज्य की राजनीति, प्रशासन और सत्ता के समीकरणों को आकार दिया। कभी 'सुशासन बाबू' के रूप में पहचान बनाने वाले इस नेता को समय-समय पर 'राजनीतिक चाणक्य' और आलोचकों द्वारा 'पलटूराम' जैसी उपमाओं से भी नवाजा गया, लेकिन इन सबके बावजूद एक तथ्य निर्विवाद रहा कि बिहार की सत्ता का केंद्र लंबे समय तक उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमता रहा। अब जब वे मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, तो यह केवल एक पद परिवर्तन नहीं बल्कि बिहार की राजनीति के एक महत्वपूर्ण दौर के समापन का संकेत माना जा रहा है। राज्य की सत्ता में लगभग दो दशक तक निर्णायक भूमिका निभाने के बाद उनका दिल्ली की राष्ट्रीय राजनीति की ओर जाना कई नए राजनीतिक सवाल और संभावनाएं भी पैदा कर रहा है। पटना में मुख्यमंत्री आवास से निकलकर जब नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया तो यह खबर तुरंत ही राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गई। इस कदम के साथ लगभग

तय हो गया कि वे बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और राष्ट्रीय राजनीति में एक नई भूमिका निभाएंगे। भारतीय संविधान के प्रावधानों के अनुसार कोई भी व्यक्ति एक साथ संसद के दोनों सदनों या किसी सदन और राज्य की विधानसभा का सदस्य नहीं रह सकता। ऐसे में राज्यसभा का सदस्य बनने के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद छोड़ना ही होगा। यही कारण है कि बिहार की राजनीति इस समय एक नए मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां आने वाले दिनों में सत्ता का नया समीकरण बन सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम से पहले 4 मार्च को मुख्यमंत्री आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई थी। इस बैठक में Janata Dal (United) के कार्यकारी अध्यक्ष Sanjay Jha और वरिष्ठ मंत्री Vijay Kumar Chaudhary मौजूद थे। बैठक के बाद विजय चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अंतिम निर्णय नीतीश कुमार ही लेंगे और पार्टी उनके हर फैसले के साथ खड़ी है। इसी दौरान यह संकेत भी मिलने लगे थे कि वे राज्यसभा जाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई थी कि नीतीश कुमार के पुत्र Nishant Kumar को भविष्य में सक्रिय राजनीति में लाने की तैयारी की जा सकती है। हालांकि इस विषय पर अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन पार्टी के कई नेता समय-समय पर यह कहते रहे हैं कि यदि निशांत राजनीति में आते हैं तो कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबर के साथ ही बिहार की सत्ता के भविष्य को लेकर कई तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देते हैं तो राज्य में नई सरकार के गठन की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू होगी। मुख्यमंत्री पद खाली होने के बाद राज्यपाल नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू करते हैं और बहुमत रखने वाला गठबंधन अपना नेता चुनता है। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए यह संभावना जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री पद इस बार Bharatiya Janata Party के पास जा सकता है, जबकि जेडीयू के हिस्से में उपमुख्यमंत्री पद आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार दो उपमुख्यमंत्री पदों की व्यवस्था भी की जा सकती है, जिससे गठबंधन के भीतर शक्ति संतुलन बनाए रखा जा सके।

बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार की भूमिका को समझने के लिए उनके राजनीतिक सफर पर नजर डालना जरूरी है। वे पहली बार मार्च 2000 में बिहार के मुख्यमंत्री बने थे, हालांकि उस समय उनकी सरकार केवल सात दिन ही चल पाई और उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद नवंबर 2005 में उन्होंने फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और राज्य की राजनीति में एक स्थायी परिवर्तन की शुरुआत की। उस समय बिहार लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता, प्रशासनिक चुनौतियों और विकास की कमी से जूझ रहा था। नीतीश कुमार ने कानून-व्यवस्था सुधार, सड़क निर्माण, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसी योजनाओं के जरिए एक नई प्रशासनिक शैली स्थापित करने की कोशिश की।

रोमांच के शिखर पर भारत: इंग्लैंड को हराकर फाइनल में पहुंची टीम इंडिया, अब अहमदाबाद में न्यूजीलैंड से होगी खिताबी जंग

(जीएनएस)। मुंबई के ऐतिहासिक Wankhede Stadium में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को सात रन से हराकर ICC Men's T20 World Cup 2026 के फाइनल में जगह बना ली। यह मुकाबला शुरुआत से लेकर आखिरी गेंद तक दर्शकों की धड़कनों को थामे रखने वाला साबित हुआ। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम भी अंत तक संघर्ष करती रही, लेकिन 20 ओवर में सात विकेट पर 246 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही भारत ने न केवल फाइनल में प्रवेश किया, बल्कि टी20 विश्व कप के इतिहास में नॉकआउट मुकाबलों में सबसे बड़ा स्कोर बनाने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम की इस जीत के केंद्र में शानदार बल्लेबाजी रही, जिसकी अगुवाई विकेटकीपर बल्लेबाज Sanju Samson ने की। सैमसन ने शुरुआत में मिले जीवनदान का भरपूर फायदा उठाते हुए विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की और मात्र 42 गेंदों में 89 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। उनकी इस पारी में सात गगनचुंबी छक्के और आठ चौके शामिल थे। उन्होंने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट्स

लगाते हुए इंग्लैंड के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। सैमसन की इस पारी ने भारत की मजबूत नींव तैयार कर दी, जिसके बाद मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भी तेजी से रन जोड़कर टीम को 250 के पार पहुंचा दिया। सैमसन के साथ दूसरे विकेट के लिए Ishan Kishan ने भी आक्रामक बल्लेबाजी की। किशन ने केवल 18 गेंदों में 39 रन बनाकर भारतीय पारी को गति दी। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों में 97 रन की साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख काफी हद तक भारत के पक्ष में मोड़ दिया। किशन ने चार चौके और दो छक्के लगाते हुए इंग्लैंड के गेंदबाजों की लय बिगाड़ दी। उनकी तेज पारी ने यह सुनिश्चित किया कि भारतीय टीम शुरुआती ओवरों में ही मजबूत स्थिति में पहुंच जाए। इसके बाद Shivam Dube ने भी अपनी ताकतवर बल्लेबाजी से भारतीय स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाया। दुबे ने 25 गेंदों में 43 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें चार छक्के और एक चौका शामिल था। उन्होंने सैमसन के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 गेंदों में 43 रन की तेज साझेदारी की। इस साझेदारी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया और भारतीय टीम का रन रेट लगातार बढ़ता गया। पारी के अंतिम ओवरों में Hardik Pandya और Tilak Varma ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए भारत को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। हार्दिक पंड्या ने केवल 12 गेंदों में 27 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। वहीं तिलक वर्मा ने सात गेंदों में 21 रन की विस्फोटक पारी खेली और तीन शानदार छक्के लगाए। भारतीय टीम की इस पारी में कुल 19 छक्के लगे, जो टी20 क्रिकेट में भारत का एक नया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जा रहा है। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी में स्पिनरों Will Jacks और Adil Rashid ने दो-दो विकेट हासिल किए, लेकिन वे भारतीय बल्लेबाजों के आक्रामक तेवर को पूरी तरह रोक नहीं सके। तेज गेंदबाज Jofra Archer और Sam Curran को भी काफी रन खर्च करने पड़े। आर्चर ने 61 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि सैम कुरेन 53 रन खर्च करने के बावजूद कोई सफलता हासिल नहीं कर सके। 254 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने भी हार नहीं मानी और अंत तक मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज Jacob Bethell ने शानदार शतक जड़कर मैच को बेहद दिलचस्प बना दिया। बेथेल ने केवल 48 गेंदों में 105 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें सात छक्के और आठ चौके शामिल थे। उनकी पारी ने इंग्लैंड को लगातार मुकाबले में बनाए रखा और भारतीय गेंदबाजों पर दबाव भी डाला।

सूरत में बिल्डरों पर धोखाधड़ी का आरोप: किसान-उपभोक्ता करोड़ों के जाल में फंसे, संगठन न्याय की मांग कर रहा है

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत

सूरत के विभिन्न इलाकों में बन रही बाज़ार, फ्लैट, दुकानें, गोदाम आदि जैसी परियोजनाएँ अधिकतर बिल्डरों द्वारा बनाई जा रही हैं। बिल्डर स्थानीय किसानों के करीबी दलालों की मदद लेते हैं और किसी भी तरह से किसानों की ज़मीन हथियाने के लिए उनसे संपर्क करते हैं। बिल्डर इन दलालों के माध्यम से किसानों का विश्वास जीतते हैं और उन्हें अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें और बड़ी परियोजनाओं के बारे में बताकर उनकी ज़मीन एक निश्चित राशि में बेच देते हैं। किसानों को तय राशि का केवल 30% या 40% ही दिया जाता है और शेष 60% से 70% राशि दलालों द्वारा 24 से 36 महीनों के भीतर दी जाती है। किसानों से दस्तावेज़ और लिखित गारंटी लेने के बाद, ली गई राशि का 30% से 40% का एक डायरी या कच्चा विनिमय बिल तैयार किया जाता है। उक्त ज़मीन पर बिल्डर आवासीय भवनों, बाज़ार योजनाओं, गोदामों आदि के बड़े-बड़े होर्डिंग लगा देते हैं। फिर दलालों के माध्यम से, बाज़ारों में बने उपरोक्त फ्लैट, आवास, गोदाम और दुकानें बुक और बेची जाती हैं। बिल्डर तय मूल राशि का 30% से 35% हिस्सा लेकर ग्राहकों को सौदा बिल या कच्चा विनिमय बिल तैयार करके देते हैं और ग्राहक द्वारा चुनी गई दुकान, गोदाम या फ्लैट को एक निश्चित समय सीमा के भीतर देने का लालच देते हैं। हालांकि, 10 से 12 साल बीत जाने के बाद भी बिल्डर इन परियोजनाओं को पूरा नहीं करते हैं। सरौली, लिंबायत और सेंट्रल जोन क्षेत्रों में ऐसी कई परियोजनाएं अभी भी धूल फांक रही हैं। परियोजनाओं के पूरा न होने के कारण,

जब बुकिंग कराने वाले ग्राहक या जमीन

बेचने वाले किसान दलालों से बकाया राशि मांगते हैं, तो दलाल हाथ खड़े कर देते हैं और किसानों और ग्राहकों से कहते हैं कि बिल्डर ने आपके लिए एक डायरी या कच्चा नोट तैयार किया है, इसलिए आपको सीधे बिल्डर से संपर्क करना चाहिए।

शून्य त्रुटि एजेंसी

अंततः, जब हताश किसान हिम्मत जुटाकर बिल्डरों के दफ्तर जाते हैं, तो वहां बैठे असामाजिक बिल्डर किसानों और ग्राहकों को गाली देते हैं और उन्हें कहते हैं कि वे जो चाहें करें, अगर पुलिस के पास जाना चाहें तो पुलिस के पास जाएं। बिल्डर और उनके असामाजिक तत्व स्थानीय पुलिस के साथ मिलीभगत करके इस तरह की खुली धमकियां देते हैं। इसी वजह से, जब किसान अपनी बकाया राशि लेने जाते हैं या जिन ग्राहकों ने दुकानें, घर, फ्लैट खरीदे हैं, वे बिल्डरों के दलालों पर भरोसा करके बिल्डर के जाल में फंस जाते हैं। इनमें पुणे के कुम्भरिया, सरोली, गोदादरा के मूल निवासी और प्रवासी किसान शामिल हैं। ये प्रवासी किसान 30-45 दिनों के लिए अपने गृहनगर आते हैं। बिल्डर

उनकी जमीन का 60% से 70% बकाया वसूल लेते हैं और फिर उन्हें अपनी कारों में प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर घुमाते हैं और विदेश जाने तक उन्हें हर तरह की सुविधा प्रदान करते हैं। इसी वजह से, विदेश जाने का समय समाप्त होने पर प्रवासी किसानों को बिल्डर से किसी भी तरह की परेशानी या झंझट नहीं होती। क्योंकि एनआरआई होने के नाते, वे पुलिस की झंझटों का सामना नहीं कर सकते।

इस तरह, बिल्डर किसानों से जमीन और परियोजनाएं खरीदकर, उन्हें ग्राहकों को सौंपकर और किसानों के दस्तावेजों और लिखित मंजूरी के आधार पर भी, बैंकों से करोड़ों का कर्ज लेकर परियोजनाओं को पूरा नहीं करते। इसके चलते गोदामों, फ्लैटों या दुकानों में निवेश करने वाले लोग घोर आर्थिक तंगी में हैं और शादी, मृत्यु या किसी अन्य अवसर पर उन्हें अपने गहने या अन्य संपत्ति बेचनी पड़ती है। लिंबायत जोन, सेंट्रल जोन, बीयूसी, लीव लेटर, फायर एनओसी आदि में अवैध रूप से निर्मित कई परियोजनाएं 10 से 12 साल बाद भी पूरी नहीं हुई हैं। इसके अलावा, बुकिंग कराने वाले ग्राहकों को अभी तक कब्जा नहीं मिला है। ऐसी परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। हालांकि, बिल्डर समय सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा नहीं करते, इसलिए ग्राहकों को भी बुक की गई दुकानें, फ्लैट और गोदाम नहीं मिल पाते। एसएमसी द्वारा बिल्डरों को नोटिस जारी किए जाने के बावजूद, बिल्डरों के आर्किटेक्ट और इंजीनियर नोटिसों को नजरअंदाज करते हैं।

जिसके चलते अतीत में रघुकुल मार्केट, श्रीराम मार्केट, मिलेनियम मार्केट, ऑर्किड मार्केट, शिवशक्ति मार्केट और रघुवीर मार्केट जैसी कई बाजारों में आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। यह भी पता चला कि इन बाजारों में फायर सर्टिफिकेट या बीयूसी सर्टिफिकेट नहीं थे। यह सब निलंबित कार्यकारी अभियंता विपुल गणेशवाला की लापरवाही के कारण हुआ है। उपर्युक्त बाजारों के साथ-साथ अन्य बाजारों में भी छतों पर अवैध रूप से गुंबद और भूमिगत गोदाम बनाए गए हैं, जिसके कारण गोदामों में रखे रेशमी कपड़े के बोरे या पार्सल पेट्रोल की तरह मामूली शॉर्ट सर्किट से आग पकड़ लेते हैं, जिससे भारी नुकसान होता है। इसलिए, शहर में अपनी मनमानी कर रहे बिल्डरों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि विकास उपभोक्ता संरक्षण एवं अनुसंधान केंद्र के दक्षिण गुजरात अध्यक्ष, छगनलाल दौलतराम मेवाड़ा ने एक सूची जारी कर बताया है कि जिन किसानों ने बिल्डरों को जमीन बेची है और जिनका भुगतान अभी तक नहीं हुआ है, साथ ही जिन ग्राहकों ने दुकानें, फ्लैट या गोदाम बुक किए हैं और उन्हें अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं, वे या ग्राहक विकास उपभोक्ता संरक्षण एवं अनुसंधान केंद्र के कार्यालय, जी-06 न्यू ओपेरा हाउस, बामरोली रोड, खातोदरा, सूरत, किरण मोटर्स के बगल में स्थित कार्यालय से संपर्क करें। वहां निष्पक्ष, न्यायसंगत और तटस्थ तरीके से न्याय दिलाने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

यह संगठन

न्याय के हित में स्थानीय न्यायालयों, उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय तक सेवाएं प्रदान करेगा।

संपादकीय

'डिब्बागोल अर्थव्यवस्था' का युद्ध

हमने बताया था कि करीब 1 करोड़ भारतीय मध्य-पूर्व के खाड़ी देशों में बसे हैं। उन्होंने वहीं घर बना लिए हैं, काम-धंधा जमा लिया है और उनके बच्चे भी वहीं पढ़ रहे हैं। अरब देशों को भारतीयों की बुनियादी जरूरत है, क्योंकि वे तकनीकी और पेशेवर तौर पर हुनरमंद हैं। अरब देशों के पास सिर्फ तेल-गैस के भंडार हैं। न पर्याप्त शिक्षा है, न प्रौद्योगिकी का अपेक्षाकृत कौशल है और सबसे अहम यह है कि वहां लोकतंत्र भी नहीं है। बेशक ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव जनता करती है, लेकिन सुप्रीम लीडर 'मजहबी' है। राष्ट्रपति भी उसके अधीन काम करते हैं। खाड़ी देशों में शेख, सुल्तान और अमीर आदि की ही हुकूमतें हैं। उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से चुना नहीं गया, बल्कि वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी और वंश-दर-वंश इन देशों पर राज कर रहे हैं। वे बुनियादी तौर पर अमरीका के पि॒ हैं, क्योंकि उनकी मजबूरी है, क्योंकि वे सैन्य रूप से कमजोर देश हैं, बल्कि अमरीका के ही भरोसे हैं। बहरहाल खाड़ी देशों के भारतीय औसतन 10 लाख करोड़ रुपए सालाना भारत में अपने घरों को भेजते हैं। दुनिया भर से भारतीय जितना धन अपने परिवारों को भेजते हैं, उसका एक-तिहाई हिस्सा खाड़ी वाले भारतीय भेजते हैं। उससे भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। यह राशि भारत के कुल बजट का पांचवां हिस्सा है, जो कई देशों के बजट से अधिक है। भारत ने 2025 में करीब 11.60 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल अरब देशों से आयात किया है। अधिकांश हिस्सा ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात से ही आयात किया गया है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल-आयातक देश है। यदि तेल के दाम 10 डॉलर भी बढ़ते हैं, तो भारत का आयात-बिल 15 अरब डॉलर सालाना बढ़ जाता है। इस अर्थव्यवस्था को समझा जाना चाहिए।

यदि अमरीका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध लंबा खिंचता है, तो क्या यह अर्थव्यवस्था डांवाडोल हो जाएगी? कमोबेश बड़ी संख्या में भारतीय विस्थापित होकर नहीं लौटेंगे, लिहाजा युद्ध के दौरान उनकी सुरक्षा का सवाल भी बेहद महत्वपूर्ण है। दो दिन के युद्ध ने कच्चे तेल की कीमतें बढ़ा दी हैं। फिलहाल दाम 75-77 डॉलर प्रति बैरल हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि तेल की कीमतें 100-110 डॉलर तक जा सकती हैं। यह तेल कंपनियों का भी खेल होता है, जिन्हें अपने घाटे कम करने होते हैं। यदि युद्ध अनिश्चित साबित हुआ और कंपनियां अपने तेल टैंकर भेजने को डरती रहीं और तेल दक्षिण अफ्रीका के रूट से भेजना पड़ा, तो उनकी लागत बढ़ेगी। नतीजतन तेल के दाम 150 डॉलर तक भी उछल सकते हैं। भारत बहुत बड़ा देश है, लिहाजा उसकी तेल-गैस की खपत और जरूरत भी व्यापक है, लेकिन भारत के पास तेल भंडार सीमित हो सकते हैं। वेनेजुएला आजकल बहुत कम तेल का उत्पादन कर रहा है और उसका तेल भी भारी है, जिसे रिफाइंड करना मुश्किल और खर्चीला है। हालांकि होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को आधिकारिक तौर पर बंद नहीं किया गया है, लेकिन उसका नियंत्रण फिलहाल ईरान के अधीन है। विभिन्न देशों के 150 से अधिक तेल टैंकर बंदरगाहों पर फंसे हैं। ईरान ने एक कथित अमरीकी तेल टैंकर पर मिसाइल हमला भी किया है। युद्ध के लक्ष्य और उसके पीछे की रणनीति, कूटनीति कुछ भी रही हो, लेकिन यह युद्ध विश्व अर्थव्यवस्था का डिब्बागोल कर सकता है। मध्य-पूर्व में 3400 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। दिल्ली-मुंबई से ही 225 उड़ानें रद्द की गई हैं। भारत के 20,000 से ज्यादा यात्री अलग-अलग हवाई अड्डों पर फंसे हैं। विमानन अर्थव्यवस्था का मोटा हिस्सा होता है। 1973 से 1979 के बीच जो युद्ध हुए, उनमें भी तेल की कीमतें चार गुना तक उछलीं। नतीजतन दुनिया में महंगाई और मंदी के दौर आए।

Iran-America-Israel युद्ध देखते देखते भारत के दरवाजे तक पहुँच गया, दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ी

> हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई।

हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता उभर कर सामने आई है क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस घटना ने न केवल श्रीलंका बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत की सामरिक स्थिति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना इस बात का संकेत है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष अब फारस की खाड़ी से निकल कर हिंद महासागर तक पहुंच गया है, जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जहां श्रीलंका के सांसद इस मुद्दे पर अपनी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वहीं भारत में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा है। हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। श्रीलंका की नौसेना को युद्धपोत से संकट संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने अब तक 87 शव बरामद किए हैं और 32 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य नाविक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और उनकी खोज के लिए अभियान जारी है।

हम आपको बता दें कि यह घटना श्रीलंका के प्रमुख बंदरगाह नगर गाले से लगभग चालीस किलोमीटर दक्षिण में हुई। यह स्थान फारस की खाड़ी से काफी दूर है,

जहां ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष चल रहा है। इसलिए इस घटना ने यह संकेत दिया है कि समुद्री संघर्ष का दायरा तेजी से फैल रहा है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के माध्यम से कहा है कि दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ईरान का युद्धपोत हिंद महासागर में डूबने की घटना यह दर्शाती है कि यह संघर्ष अब भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में देश को मजबूत और संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक स्वायत्तता को बनाए रखना इस समय अत्यंत आवश्यक है।

दूसरी ओर, श्रीलंका के सांसद नामल राजपक्षे ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह केवल श्रीलंका की ही नहीं बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना है कि युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर चल रहा हो, लेकिन उसके प्रभाव अब हिंद महासागर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के तट से लगभग चालीस किलोमीटर दूर इस प्रकार की सैन्य गतिविधि यह दर्शाती है कि वैश्विक शक्तियों का संघर्ष अब इस समुद्री क्षेत्र तक फैल रहा है।

श्रीलंकाई सांसद नामल राजपक्षे ने श्रीलंका की सरकार से यह भी सवाल किया है कि क्या उसे इस सैन्य कार्रवाई की पहले से जानकारी थी? उनका कहना है कि सरकार को देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस हमले से पहले अवगत थी या नहीं? उन्होंने कहा कि यदि सरकार को पहले से जानकारी थी तो उसे यह बताना चाहिए कि ऐसी गतिविधि को लेकर कौन से कदम उठाए गए?

उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रीलंका को इस प्रकार की सैन्य गतिविधि की सूचना नहीं दी गई थी तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे छोटे देशों की समुद्री संप्रभुता और सुरक्षा पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े देश की सैन्य कार्रवाई श्रीलंका के आसपास के जल क्षेत्र में होती है तो इस पर खुली चर्चा और पारदर्शिता आवश्यक है। राजपक्षे ने दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापक संवाद की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों को मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रत्येक देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि बड़े देशों के बीच संघर्ष छोटे देशों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैलता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद एक ईरानी युद्धपोत को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की नौसैनिक शक्ति को सीमित करना उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण भाग है। देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है।

इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है। साथ ही इस घटना से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि समुद्र के विशाल क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे हिंद महासागर आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

बहरहाल, श्रीलंका के निकट हुई यह घटना इस बात का संकेत है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब व्यापक समुद्री क्षेत्र तक फैल सकता है। ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के लिए आवश्यक है कि वह मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें और संभावित संकटों के लिए तैयार रहें।

प्रेरणा

सादगी की मिसाल: जब प्रधानमंत्री ने चुनी सबसे सस्ती साड़ियां

भारत के इतिहास में कई ऐसे नेता हुए हैं जिनकी पहचान केवल उनके पद या शक्ति से नहीं, बल्कि उनके चरित्र और जीवन मूल्यों से हुई। उन्हीं महान नेताओं में से एक थे Lal Bahadur Shastri। उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और नैतिकता का ऐसा उदाहरण था जो आज भी लोगों को प्रेरित करता है। सत्ता के सर्वोच्च पद पर रहते हुए भी उन्होंने कभी अपने जीवन में आडंबर या विलासिता को स्थान नहीं दिया। उनका व्यवहार इतना सरल और सहज था कि आम नागरिक भी उनसे जुड़ाव महसूस करता था। उनके जीवन की अनेक घटनाएं उनकी विनम्रता और सादगी की गवाही देती हैं, जिनमें से एक छोटी-सी लेकिन बेहद प्रेरक घटना कपड़े की एक दुकान से जुड़ी हुई है। यह घटना उस समय की है जब वे देश के प्रधानमंत्री थे। एक दिन उन्हें अपने घर के लिए साड़ियां खरीदनी थीं। आमतौर पर जब कोई बड़ा नेता या उच्च पद पर बैठा व्यक्ति किसी दुकान पर जाता है तो वहां का माहौल बदल जाता है। दुकानदार और कर्मचारी उसे खुश करने के लिए सबसे महंगे और आकर्षक सामान सामने रख देते हैं। लेकिन उस दिन जो हुआ, उसने वहां मौजूद सभी लोगों को गहराई से प्रभावित कर दिया। प्रधानमंत्री होने के बावजूद शास्त्री जी बिल्कुल सामान्य ग्राहक की तरह कपड़े की एक दुकान में पहुंचे। दुकान का मैनेजर उन्हें पहचान गया। वह बहुत उत्साहित हो गया और सम्मानपूर्वक उन्हें बैठाकर तुरंत अपनी दुकान की सबसे महंगी और सुंदर साड़ियां दिखाने लगा। उसके मन में यह भाव था कि देश के प्रधानमंत्री आए हैं, इसलिए उन्हें सबसे उत्तम और कीमती वस्तुएं ही दिखाई जानी चाहिए। मैनेजर एक-एक करके महंगी रेशमी और बनारसी साड़ियां निकालकर सामने रखता जा रहा था। उन साड़ियों की कीमत भी काफी अधिक थी। शास्त्री जी मुस्कुराते हुए उन्हें देखते रहे, लेकिन कुछ ही क्षण बाद उन्होंने शांत स्वर में कहा, "भाई, मुझे इतनी महंगी साड़ियां मत दिखाओ। मुझे कम कीमत वाली साड़ियां दिखाओ और उनकी कीमत भी बताते जाओ।" मैनेजर को यह सुनकर थोड़ा आश्चर्य हुआ, लेकिन उसने सोचा कि शायद वे थोड़ी सस्ती साड़ियां देखना चाहते हैं। उसने अलमारी से कुछ कम कीमत की साड़ियां निकालकर उनके सामने रख दीं। अब जो साड़ियां सामने थीं, वे पहले वाली साड़ियों से सस्ती तो थीं, लेकिन फिर भी उनकी कीमत सामान्य परिवार के बजट से कुछ अधिक ही थी। शास्त्री जी ने उन साड़ियों को ध्यान से देखा और फिर बहुत सहजता से बोले, "ये भी मेरे लिए महंगी हैं। इससे भी कम कीमत की साड़ियां दिखाइए।" अब मैनेजर सचमुच चकित हो गया। उसके लिए यह समझना मुश्किल हो रहा था कि देश का प्रधानमंत्री इतनी सस्ती साड़ियां क्यों मांग रहा है। उसने झिझकते हुए कहा कि दुकान में इससे ज्यादा सस्ती साड़ियां बहुत साधारण हैं। लेकिन शास्त्री जी ने मुस्कुराते हुए कहा, "मुझे वही चाहिए जो सबसे सस्ती हों। कृपया वही दिखाइए।" अब मैनेजर ने दुकान के एक कोने से साधारण सूती साड़ियां निकालकर सामने रखीं। ये साड़ियां दिखने में बहुत साधारण थीं और उनकी कीमत भी कम थी। शास्त्री जी ने उन साड़ियों को ध्यान से देखा। उनके चेहरे पर संतोष का भाव दिखाई दिया। उन्होंने उनमें से कुछ साड़ियां चुनीं और मैनेजर से उनकी कीमत पूछी। मैनेजर ने झिझकते हुए कीमत बताई। उसे उम्मीद थी कि शायद शास्त्री जी कहेंगे कि यह तो बहुत कम कीमत है या शायद वे बिना पैसे दिए ही साड़ियां ले जाएंगे, जैसा अक्सर बड़े पदों पर बैठे लोगों के साथ होता है। लेकिन शास्त्री जी ने ऐसा कुछ भी नहीं किया। उन्होंने अपनी जेब से पैसे निकाले और पूरी कीमत ईमानदारी से अदा कर दी। पैसे देकर उन्होंने साड़ियां लीं, मैनेजर को धन्यवाद कहा और सामान्य ग्राहक की तरह दुकान से बाहर निकल गए। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान उनके चेहरे पर न तो किसी प्रकार का अहंकार था और न ही अपने पद का कोई प्रदर्शन। वे बिल्कुल वैसे ही व्यवहार कर रहे थे जैसे कोई साधारण व्यक्ति करता है। उनके जाने के बाद दुकान में कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा। वहां मौजूद कर्मचारी और ग्राहक इस घटना को समझने की कोशिश कर रहे थे।

फिर धीरे-धीरे सबके चेहरे पर आश्चर्य और सम्मान का भाव उभरने लगा। उन्हें यह महसूस हुआ कि जिस व्यक्ति के हाथ में पूरे देश की सत्ता है, वह अपने निजी जीवन में कितना सरल और विनम्र है। दुकान के कर्मचारियों के बीच चर्चा होने लगी कि आज के समय में जहां लोग थोड़ा-सा पद या प्रतिष्ठा मिलते ही अपनी जीवनशैली बदल लेते हैं, वहीं देश का प्रधानमंत्री इतनी सादगी से जीवन जी रहा है। वह भी ऐसी सादगी, जिसमें दिखावा बिल्कुल नहीं था। इस घटना ने वहां मौजूद लोगों के मन में शास्त्री जी के प्रति गहरा सम्मान पैदा कर दिया। वे केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि नैतिक मूल्यों के सच्चे प्रतीक थे। उनके जीवन का यही गुण उन्हें जनता के दिलों के बेहद करीब ले आया था। शास्त्री जी का पूरा जीवन इसी प्रकार के आदर्शों से भरा हुआ था। उन्होंने हमेशा यह सिद्ध किया कि सच्ची महानता पद या संपत्ति में नहीं, बल्कि चरित्र और सादगी में होती है। उनका मानना था कि यदि देश का नेता स्वयं सरल और ईमानदार जीवन जिएगा तो उसका प्रभाव समाज पर भी पड़ेगा। आज जब हम राजनीति और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता की चर्चा करते हैं, तो शास्त्री जी का नाम स्वतः ही सामने आ जाता है। उनका प्रसिद्ध नारा "जय जवान, जय किसान" केवल एक राजनीतिक संदेश नहीं था, बल्कि देश की आत्मा को समझने वाला विचार था। कपड़े की दुकान की यह छोटी-सी घटना भले ही बहुत साधारण लगे, लेकिन यह हमें बहुत बड़ी सीख देती है। यह हमें बताती है कि सच्चा नेतृत्व वही है जो सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी जमीन से जुड़ा रहता है। शास्त्री जी ने अपने जीवन से यह साबित कर दिया कि सादगी ही सबसे बड़ी शक्ति है। आज के समय में जब भौतिक सुख-सुविधाओं को ही सफलता का पैमाना मान लिया गया है, तब शास्त्री जी की यह घटना हमें याद दिलाती है कि सच्ची महानता मनुष्य के विचारों, व्यवहार और मूल्यों में होती है। यही कारण है कि दशकों बीत जाने के बाद भी उनका नाम सम्मान और श्रद्धा के साथ लिया जाता है। इस छोटी-सी घटना ने यह सिद्ध कर दिया कि सादगी केवल शब्द नहीं, बल्कि एक जीवन शैली है। और जब कोई व्यक्ति उसे अपने जीवन में पूरी ईमानदारी से अपनाता है, तो वह इतिहास में एक प्रेरणा बन जाता है। यही कारण है कि Lal Bahadur Shastri आज भी भारतीय जनमानस में सादगी, ईमानदारी और नैतिकता के सबसे उज्ज्वल प्रतीकों में गिने जाते हैं।

रंगों से मिल-जुल बने एकता का इंद्रधनुष

होली बदरंग हो रही है। ठीक इंसानियत के विघटन की तर्ज पर। संवेदनाओं के क्षरण की माफिक। फ़ितूरी प्रवृत्ति की ओर झुक रही फ़ितरत की भांति। मानो प्रकृति भी मेरी इस राय की ताकीद कर रही है। चंद्रग्रहण की कालिख से होली फ़िकली करते हुए।

कहने की जरूरत नहीं है कि होली हमारी समृद्ध संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रही है। यह हमारे ऋतु चक्र व खेती के उल्लास से जुड़ा त्योहार है। जाति व धर्म के नाम पर अलगाव की सोच को त्यागकर समाज में सद्भावना कायम करना त्योहार का मुख्य मकसद रहा है। आज वक्त के साथ हमारे समाज में कटुता व टकराव की सोच बढ़ती दिख रही है। पहले समाज में सद्भावना मजबूत करने की बात की जाती थी, मगर अब सद्भावना पैदा करनी पड़ती है। लोगों में छोटी-छोटी बातों को लेकर वैमनस्यता व कटुता बढ़ी है। हमारी एकता अखंडता के लिए खतरा बढ़ा है। हमारी सामाजिक समरसता पर खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में आज होली जैसे त्योहार का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है, जिसके लिये स्वयंसेवी सामाजिक संगठनों व सरकार की जिम्मेदारी बढ़ जाती है।

आज यह गलत परंपरा विकसित हो रही है कि लोग किसी भी जयंती व त्योहार के अवसर को सिर्फ एक छुट्टी का दिन समझकर उदासीन हो जाते हैं। किसी भी महापुरुष, मसलन उदाहरण के लिए गांधी जी या महावीर जी जयंती हो, उनके आदर्शों को, अपनाने का दिन होता है। हमें उनके आदर्शों का अनुकरण करना चाहिए। मौजूदा दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था में यह सद्भाव व मेल-मिलाप की सीख देने वाले अध्याय गायब होते जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल के अपने-अपने एजेंडे हैं। ये राजनीतिक दल संकीर्ण लाभ के लिए इतिहास के साथ खिलवाड़ तो करते हैं, मगर त्योहारों के मकसद और महापुरुषों के आचरण को अमल में लाने के लिए प्रयास नहीं करते। फिर हमारा समाज भी इस दिशा में निष्क्रिय बना रहता है।

हकीकत में होली के त्योहार से जुड़े रस्मो-रिवाजों के अपने गहरे मतलब हैं। वृंदावन में लठमार होली का मतलब स्त्री के महत्व को स्वीकार करने का भाव पैदा करना तो है ही, साथ ही समाज में स्वस्थ हास्य-भाव पैदा करना भी है। सब लोग हंसी-खुशी मिल-जुलकर त्योहार मनाएं, ये मकसद भी होली की परंपराओं का है। यह भी मकसद कि देशभर में लोग होली अच्छे संस्कारों के साथ खेलें। आपस में मिलजुलकर संवेदनशील व्यवहार करें। ताकि हमारे समाज में प्यार-मोहब्बत बढ़े। यह भी कोशिश हो कि समाज में किसी भी तरह का टकराव टाला जाए। इस त्योहार के मौके पर हमारे स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं तथा खिलाड़ियों को समाज में समरसता व सद्भाव के रंगों को चटख बनाने का प्रयास तो करना ही चाहिए। बड़े दुख की बात है कि इस बार वृंदावन से बड़ी संख्या में ऐसी खबरें आने की बात कही जा रही है जब रंग लगाने के बहाने महिला श्रद्धालुओं के साथ अभद्रता की गई। उनके अंगों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ी हैं। आस्था से यह खिलवाड़ बंद होना चाहिए।

होली से जुड़ा दूसरा चिंताजनक पक्ष यह है कि देशभर में होली के मौके पर लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ जाती हैं। शोहदे होली के दिन को छेड़छाड़ करने का लाइसेंस मान लेते हैं। नशाखोरी इस त्योहार का सबसे बुरा पक्ष है। लोग तरह-तरह का नशा इस दिन करते हैं। ये हरकतें इस त्योहार के पवित्र मकसद को दूषित करती हैं। कई जगह तो कीचड़ से होली खेलने की परेशान करने वाली खबरें भी सामने आती हैं। कई जगह तैलीय रंग डालने के मामले सामने आते हैं। ये रंग जल्दी से उतरते भी नहीं हैं, जो हमारी त्वचा को खराब करते हैं और काफी प्रयासों के बाद भी साफ नहीं होते। जैसे चीनी डोर का संकट समाज में बना हुआ है, वैसे रासायनिक रंगों का संकट भी बरकरार है। ये रासायनिक रंग हमारी आंख, त्वचा व बालों के लिए खासा नुकसानदायक होते हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि गुणवत्ता के मानकों वाला रंग ही बाजार में बेचा जाए। सरकारी सख्ती से नकली व नुकसानदायक रंगों पर रोक लगाने की कवायद सिरे चढ़ सकती है। इन दिनों बाजारों में मिलने वाले चमकीले रासायनिक रंग ललचाते तो हैं, परंतु वे हमारी त्वचा, आंखों और बालों को नुकसान पहुंचाते हैं। इन रासायनिक रंगों से त्वचा में जलन, आंखों में किरकिरी, सांस संबंधी दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। इतना ही नहीं, ये रंग हवा और पानी को खराब कर पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते हैं। हम कोशिश करें कुदरती रंगों को ही अपने इस्तेमाल में लाएं। अब चाहे घर के लोग हों या बाहर के। हमारे पूर्वजों ने फूलों, सब्जियों और जड़ी-बूटियों से बने कुदरती रंगों को हमेशा तरजीह दी है। ये रंग हमारे चेहरे और आंखों को नुकसान नहीं पहुंचाते। पर्यावरण के भी मित्र होते हैं ऐसे रंग। इन रंगों को बनाना कोई मुश्किल काम भी नहीं है। अरारोट पाउडर व चुकंदर के रस से गुलाबी रंग बन सकता है। इसी तरह पीले रंग के लिए हल्दी व हरे रंग के लिए पालक व पुदीने के पत्ते इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं। इसी प्रकार लाल रंग के लिए गुड़हल व टेसू के फूल का प्रयोग किया जा सकता है। ऐसे में हम स्वच्छ होली से खुद, परिवार व मित्रों को राहत दे सकते हैं।

हाल के दिनों में त्योहारों के आयोजन में बाजार का दखल बहुत ज्यादा बढ़ा है। अभी हाल ही में हम फरवरी में वेलेंटाइन डे के कथित त्योहारों की श्रृंखला मना चुके हैं। इस दौरान टेडी बीयर, फूल, कार्ड, चॉकलेट आदि बेचने के लिए बाजार की आक्रामक रणनीति देखने में आई। होली के त्योहार पर भी बाजार का दखल लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सूचना माध्यमों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर होली पर खरीदारों को बाजार तक लाने की तरह-तरह की स्कीमें आती रहती हैं। होली के पकवान व मिठाई के लिए लोगों को लुभाने के लिए बाजार द्वारा तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं।

राजनीतिक दल भी रंगों की गंगा में हाथ धोने से नहीं चूकते। जगह-जगह होली पर मिलन समारोहों का आयोजन किया जाता है। मकसद सिर्फ वोटों का ध्रुवीकरण होता है। जिन राज्यों में आगामी महीनों में चुनाव होने हैं, वहां तो होली मिलन समारोह के जरिये वोटरों को लुभाने की कोशिश और ज्यादा की जाती रही है। लेकिन त्योहार की आत्मा से उनका कोई लेना-देना नहीं होता है। राजनेताओं को हमारे तिरंगे के मर्म को समझना चाहिए। भले ही तिरंगे के रंग शांति, समृद्धि और शौर्य के प्रतीक हों, लेकिन ये रंग दरअसल हमारी बहुधर्मी संस्कृति का ही पोषण करते हैं। इन रंगों का संदेश यही है कि हमारा समाज इंद्रधनुषी रंगों से बना है। जब सात रंग आपस में मिल जाते हैं तो इंद्रधनुष बनकर सामने आता है।

अभियान

सलकनपुर का विजयासन धाम: आस्था, शक्ति और विजय का अद्भुत तीर्थ

भारत की आध्यात्मिक परंपरा में देवी-उपासना का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रहा है। यहां शक्ति को सृष्टि की मूल ऊर्जा माना जाता है और इसी कारण देश के कोने-कोने में देवी के असंख्य मंदिर स्थापित हैं। सदियों से लोग मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा करते आए हैं और उनसे शक्ति, साहस, समृद्धि और विजय का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। जब Navratri का पावन पर्व आता है, तब पूरे भारत में भक्ति और आस्था का अद्भुत वातावरण बन जाता है। इन नौ दिनों में देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है और लाखों श्रद्धालु देश के विभिन्न शक्तिपीठों और मंदिरों में जाकर माता के दर्शन करते हैं। इसी आस्था के बीच मध्य प्रदेश में स्थित एक ऐसा पवित्र और चमत्कारी धाम है, जिसे विजय और साहस का वरदान देने वाला मंदिर माना जाता है। यह प्रसिद्ध शक्ति स्थल है Vijayasan Mata Temple, जहां विराजमान देवी को विजयासन माता के नाम से पूजा जाता है।

मध्य प्रदेश के Sehore जिले के Salkanpur गांव की एक ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर प्रदेश के प्रमुख शक्ति स्थलों में से एक माना जाता है। दूर से ही पहाड़ी के शीर्ष पर स्थित यह मंदिर श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां विराजमान देवी को Vijayasan Mata कहा जाता है, जो मां दुर्गा का ही एक शक्तिशाली स्वरूप मानी जाती हैं। भक्तों की मान्यता है कि जो भी व्यक्ति सच्चे मन और श्रद्धा के साथ यहां आकर माता के दर्शन करता है, उसे जीवन में विजय और निर्भयता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यही कारण है कि देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु यहां माता के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

विजयासन धाम की सबसे विशेष बात इसका स्थान है। यह मंदिर एक ऊंची पहाड़ी के शिखर पर स्थित है, जहां तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को सैकड़ों सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यह यात्रा केवल शारीरिक प्रयास ही नहीं, बल्कि एक प्रकार की आध्यात्मिक साधना भी मानी जाती है। जब भक्त इन सीढ़ियों पर चढ़ते हैं तो उनके मन में माता के प्रति श्रद्धा और विश्वास और अधिक गहरा हो जाता है। रास्ते भर श्रद्धालु "जय माता दी" के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते हैं और उनके चेहरे पर भक्ति और उत्साह साफ दिखाई देता है। पहाड़ी के ऊपर पहुंचते ही मंदिर का भव्य दृश्य और आसपास का प्राकृतिक वातावरण मन को अद्भुत शांति प्रदान करता है।

मंदिर के गर्भगृह में स्थापित मां विजयासन की प्रतिमा अत्यंत दिव्य और प्रभावशाली मानी जाती है। भक्त जब माता के सामने पहुंचते हैं तो उनकी आंखों में श्रद्धा और आस्था का भाव झलकता है। कई श्रद्धालु बताते हैं कि यहां आने के बाद उन्हें एक विशेष प्रकार की आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है। ऐसा माना जाता है कि माता अपने भक्तों की हर सच्ची प्रार्थना सुनती हैं और उनकी मनोकामनाओं को पूरा करती हैं। जीवन में आने वाली कठिनाइयों, शत्रु बाधा और भय से मुक्ति पाने के लिए भी लोग यहां आकर माता की आराधना करते हैं।

विजयासन धाम से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार यह स्थान अत्यंत प्राचीन और पवित्र है। स्थानीय परंपराओं में यह विश्वास किया जाता है कि यहां मां दुर्गा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। कई लोग बताते हैं कि जब वे जीवन की कठिन परिस्थितियों से घिर जाते हैं और यहां आकर माता से प्रार्थना करते हैं, तो उन्हें नई शक्ति और आत्मविश्वास प्राप्त होता है। इसी कारण इस मंदिर को विजय और साहस का प्रतीक माना जाता है।

इस मंदिर की प्रसिद्धि विशेष रूप से नवरात्रि के समय और भी अधिक बढ़ जाती है। इन दिनों यहां भव्य उत्सव का आयोजन किया जाता है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर माता के दर्शन करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना में भाग लेते हैं। मंदिर परिसर में भक्ति गीत, आरती और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होता है, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता है। नवरात्रि के दौरान यहां लगने वाला विशाल मेला भी भक्तों के आकर्षण का केंद्र होता है।

नवरात्रि के समय सलकनपुर की पहाड़ी पर एक अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है। सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें सीढ़ियों पर दिखाई देती हैं। लोग अपने परिवार के साथ माता के दर्शन करने आते हैं और पूरी श्रद्धा के साथ पूजा करते हैं। मंदिर परिसर में प्रसाद, पूजा सामग्री और धार्मिक वस्तुओं की कई दुकानें सज जाती हैं। इस दौरान क्षेत्र में एक प्रकार का धार्मिक उत्सव जैसा वातावरण बन जाता है, जहां भक्ति और संस्कृति का सुंदर संगम दिखाई देता है।

भक्तों का विश्वास है कि मां विजयासन अपने भक्तों को जीवन के संघर्षों में विजय दिलाती हैं। कई लोग परीक्षा में सफलता, व्यापार में उन्नति, नौकरी में प्रगति या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में सिद्धि प्राप्त करने की कामना लेकर यहां आते हैं। माता के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा उन्हें बार-बार इस पवित्र धाम की ओर आकर्षित करती है।

इस पवित्र मंदिर तक पहुंचने का मार्ग भी काफी सुविधाजनक है। श्रद्धालु सबसे पहले सीहोर शहर तक पहुंच सकते हैं, जो इस क्षेत्र का प्रमुख नगर है। यहां रेलवे स्टेशन होने के कारण देश के कई हिस्सों से रेल मार्ग द्वारा यहां पहुंचना आसान है। सीहोर से सड़क मार्ग द्वारा सलकनपुर गांव तक आसानी से जाया जा सकता है, जहां से पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक सीढ़ियों के माध्यम से पहुंचा जाता है।

हवाई मार्ग से आने वाले यात्रियों के लिए सबसे निकटतम हवाई अड्डा Bhopal में स्थित है, जो सीहोर से अधिक दूर नहीं है। भोपाल से सड़क मार्ग द्वारा सलकनपुर तक पहुंचना काफी सरल है। इसके अलावा Indore से भी सड़क मार्ग द्वारा इस मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। इस प्रकार देश के किसी भी हिस्से से श्रद्धालु आसानी से विजयासन धाम की यात्रा कर सकते हैं।

समय के साथ इस पवित्र धाम की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां आकर माता के दर्शन करते हैं और अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। यहां का शांत वातावरण, पहाड़ी की प्राकृतिक सुंदरता और माता की दिव्यता मिलकर इस स्थान को अत्यंत पवित्र बना देते हैं। जो भी भक्त यहां आता है, वह अपने साथ आध्यात्मिक संतोष और नई ऊर्जा लेकर लौटता है।

भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा में ऐसे मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं होते, बल्कि आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र होते हैं। विजयासन धाम भी ऐसा ही एक पवित्र स्थल है, जहां भक्त अपने जीवन की कठिनाइयों से मुक्ति पाने और सफलता की कामना लेकर आते हैं। मां विजयासन के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा इस बात का प्रमाण है कि आज भी भारतीय समाज में देवी-उपासना की परंपरा उतनी ही जीवंत और सशक्त है जितनी सदियों पहले थी।

इसी कारण Vijayasan Mata Temple आज केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि लाखों भक्तों की आस्था का केंद्र बन चुका है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं का विश्वास है कि मां विजयासन की कृपा से जीवन में विजय, साहस, समृद्धि और आत्मविश्वास प्राप्त होता है। यही विश्वास और भक्ति इस पवित्र धाम को भारत के प्रमुख शक्ति स्थलों में एक विशेष और सम्मानित स्थान प्रदान करती है।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

मार्च की शुरुआत में ही तपने लगा देश: दिल्ली-एनसीआर में धूल भरी आंधी की चेतावनी, उत्तर भारत में तेजी से बढ़ा तापमान

(जीएनएस)। मार्च का महीना अभी शुरू ही हुआ है, लेकिन देश के कई हिस्सों में गर्मी ने मई-जून जैसा एहसास कराना शुरू कर दिया है। उत्तर भारत से लेकर मध्य भारत तक तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और दोपहर के समय तेज धूप लोगों के लिए परेशानी का कारण बनने लगी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार मार्च की शुरुआत में ही तापमान सामान्य से कई डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है, जिससे आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होने की संभावना है। इस बीच India Meteorological Department ने देश के कई राज्यों के लिए ताजा मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में मौसम के तेवर और भी तीखे हो सकते हैं।

राजधानी Delhi और उसके आसपास के क्षेत्रों में बसंत ऋतु की विदाई के साथ ही गर्मी ने जोर पकड़ लिया है। सुबह के समय हल्की ठंडक महसूस होती है, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, धूप की तीव्रता बढ़ती चली जाती है। दोपहर के समय स्थिति ऐसी हो जाती है कि सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम होने लगती है और बाजारों में भी सन्नाटा दिखाई देने लगता है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली और एनसीआर में इन दिनों करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं। इन हवाओं के कारण वातावरण में नमी की कमी हो रही है और हवा ज्यादा शुष्क होती जा रही है। तेज हवाओं के साथ उड़ती धूल ने वातावरण में धुंधलापन पैदा कर दिया है, जिससे विजिबिलिटी और एयर क्वालिटी दोनों पर असर पड़ रहा है।

दिल्ली से सटे Noida और Ghaziabad जैसे शहरों में भी धूप की तल्खी साफ महसूस की जा रही है। यहां अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग 16 डिग्री के करीब है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे गर्मी का असर और ज्यादा महसूस होगा।

Uttar Pradesh में भी गर्मी का ग्राफ लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार अगले तीन दिनों में राज्य के अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। पश्चिमी और मध्य उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तापमान 35 डिग्री के करीब पहुंचने की संभावना जताई गई है। Meerut, Saharanpur, Agra और

Mathura जैसे शहरों में दोपहर के समय तेज गर्मी महसूस होने लगी है। वहीं राज्य की राजधानी Lucknow में भी आसमान साफ रहने और तेज धूप खिलने का अनुमान है। इसके अलावा Gorakhpur, Ayodhya, Deoria, Basti और Etawah जैसे शहरों में भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है। कुछ जिलों में आने वाले दिनों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है। उत्तर-पश्चिम भारत में स्थित Rajasthan में भी गर्मी का असर काफी तेजी से बढ़ रहा है। राज्य के कई इलाकों में तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान Barmer देश के सबसे गर्म स्थानों में शामिल रहा, जहां अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में अगले दो से तीन दिनों के भीतर लू जैसी स्थिति बन सकती है। खासकर दोपहर के समय तेज गर्म हवाएं चलने की संभावना है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो सकती है। इसी तरह Madhya Pradesh के कई हिस्सों में भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है। राज्य के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों और राजस्थान से सटे इलाकों में गर्मी का असर ज्यादा देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में इन क्षेत्रों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच सकता है।

जहां एक ओर उत्तर और मध्य भारत के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है, वहीं Bihar के मौसम में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने 10 और 11 मार्च के लिए राज्य के कई जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। खासकर उत्तर बिहार के इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। Araria, Kishanganj, Saharsa, Madhepura, Supaul, Purnia और Katihar जैसे जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि एक नए पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के कारण वातावरण में अस्थिरता पैदा हो रही है, जिससे बारिश और आंधी की संभावना बन रही है। इन इलाकों में बिजली गिरने का खतरा भी बताया गया है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

उधर हिमालयी राज्यों में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना हुआ है। Jammu and Kashmir में 5 से 11 मार्च के बीच हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इसी तरह Himachal Pradesh में 7 से 11 मार्च के बीच हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं Uttarakhand में भी 8 से 11 मार्च के बीच बारिश के आसार बताए गए हैं। इस मौसमी बदलाव के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे वहां ठंडक बनी रहेगी।

पंजाब और हरियाणा में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है और यहां बारिश की संभावना नहीं है। तापमान सामान्य से 4 से 6 डिग्री अधिक रहने के कारण दोपहर के समय गर्मी का असर महसूस किया जा रहा है। पश्चिमी भारत के Gujarat में अगले दो दिनों में तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन उसके बाद फिर से गर्मी बढ़ने की संभावना जताई गई है। वहीं Maharashtra के अंदरूनी इलाकों में तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

कुल मिलाकर मार्च के पहले ही सप्ताह में देश के अधिकांश हिस्सों में गर्मी का प्रभाव तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में तापमान सामान्य से 4 से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। ऐसे में लोगों को सलाह दी जा रही है कि वे धूप में निकलते समय सावधानी बरतें, पर्याप्त पानी पिएं और हल्के सूती कपड़ों का इस्तेमाल करें। बदलते मौसम के बीच यह साफ संकेत मिल रहा है कि इस साल गर्मी का मौसम अपेक्षा से पहले और ज्यादा तीव्र रूप में सामने आ सकता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से गुजरात यूनिवर्सिटी में विकास की त्रिवेणी

▸▸ गुजरात यूनिवर्सिटी कन्वेंशन सेंटर का 'विद्यागौरी नीलकंठ सभापुरम' नामकरण - नवनिर्मित रिसर्च पार्क का लोकार्पण, 'हरस्टार्ट' के 5वें संस्करण का शुभारंभ

▸▸ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'विमेन-लेड डेवलपमेंट' के विजन को साकार करने के लिए गुजरात कटिबद्ध : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

▸▸ प्रधानमंत्री के प्रेरणा से स्टार्टअप इंडिया अब एक रिवोल्यूशन बनकर युवाशक्ति के लिए आसमान छूने के अवसर प्रदान कर रहा है

▸▸ सेमीकंडक्टर सेक्टर में महिला शक्ति के लिए अनेक अवसर

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी में विकास की त्रिवेणी का शुभारंभ कराते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'विमेन-लेड डेवलपमेंट' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए गुजरात प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने गुजरात यूनिवर्सिटी के कन्वेंशन सेंटर का विद्यागौरी नीलकंठ सभापुरम नामकरण, नवनिर्मित रिसर्च पार्क का लोकार्पण तथा 'हरस्टार्ट' ('herSTART') के पांचवें संस्करण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित किया। गुजरात यूनिवर्सिटी स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल (जीयूएसईसी) द्वारा विमेन स्टार्टअप्स इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप तथा मार्केट एक्सेस सपोर्ट प्रदान करने के उद्देश्य से 'हरस्टार्ट' कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका पांचवां संस्करण गुजरात यूनिवर्सिटी में प्रारंभ हुआ है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की युवाशक्ति के इनोवेशन्स को नई दिशा देने के लिए शुरू किया गया 'स्टार्टअप इंडिया' अब एक क्रांति बन गया है। एक दशक पहले देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, जो अब बढ़कर लगभग 2 लाख तक पहुंच गए हैं, जिनमें महिला शक्ति की भी लगभग आधी भागीदारी है। इतना ही नहीं, विमेन-लेड स्टार्टअप फंडिंग में भी भारत अग्रिम पंक्ति में आ गया है।

उन्होंने पहली गुजराती महिला स्नातक विद्यागौरी नीलकंठ के नाम से यूनिवर्सिटी कन्वेंशन सेंटर को जोड़कर विद्यागौरी नीलकंठ सभापुरम नामकरण करने की गुजरात यूनिवर्सिटी की पहल की भी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात की बेटियों और बहनों की एंटरप्राइजिंग स्किल को नई पीढ़ी की टेक्नोलॉजी से जोड़कर उन्हें खिलने के अवसर प्रदान करने में 'हरस्टार्ट' महत्वपूर्ण साबित हुआ है। इस वर्ष के बजट में राज्य सरकार ने स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी 2.0 के लिए 45 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में युवाशक्ति टेक्नोलॉजी, रिसर्च और इनोवेशन में आत्मनिर्भर बन रही है और स्किल डेवलपमेंट के अनेक अवसर भी खुल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में आगे कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का लोकार्पण किया है। साणंद और धोलेरा सेमीकंडक्टर हब के रूप में युवाओं के लिए हाईटेक रोजगार के अवसर पैदा करेंगे।

नारीशक्ति के लिए सेमीकंडक्टर सेक्टर में अपने कौशल दिखाने के अवसरों का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी मंशा है कि सेमीकंडक्टर स्टार्टअप्स, चिप डिजाइन और फैब्रिकेशन मैनेजमेंट तथा सेमीकंडक्टर पैकेजिंग और डीप टेक इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में महिलाएं आगे बढ़ें, इसके लिए 'हरस्टार्ट' सहायक बने।

मुख्यमंत्री ने टेक्नोलॉजी को केवल करियर विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का मिशन बताते हुए युवाशक्ति से प्रेरक आह्वान किया कि उभरते क्षेत्रों के स्टार्टअप्स के माध्यम से गुजरात को स्टार्टअप हब के साथ-साथ विमेन-लेड डीप टेक इनोवेशन हब भी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर 'हरस्टार्ट' के चौथे संस्करण की सफलता गाथा पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया तथा विमेन-लेड स्टार्टअप्स का सम्मान भी किया। गुजरात यूनिवर्सिटी स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल (जीयूएसईसी) के सीईओ श्री श्रीनिवास राव सुरेड्डी ने चौथे 'हरस्टार्ट' के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

इस अवसर पर गुजरात यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता, प्रभारी कुल सचिव डॉ. पीयूष पटेल, सांसद श्री दिनेशभाई मकवाणा, विधायक श्री अमितभाई शाह सहित अनेक महानुभाव तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 'शेपिंग टुमॉरोज सिटीज - फ्रॉम क्लाइमेट रिस्क टू ग्रीन अपॉर्च्युनिटीज' पुस्तक का विमोचन किया

विश्व में शहरीकरण की परिवर्तनकारी प्रक्रिया में सस्टेनेबल-क्लाइमेट रेजिलिएंट और इनोवेटिव अर्बनाइजेशन के अवसरों को दर्शाती पुस्तक

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को 'शेपिंग टुमोरोज सिटीज' - फ्रॉम क्लाइमेट रिस्क टू ग्रीन अपॉर्च्युनिटीज' पुस्तक का गांधीनगर में विमोचन किया।

आधुनिक समय में बदलती दुनिया में शहरीकरण सबसे अधिक परिवर्तनकारी प्रक्रिया है। इसे समस्या नहीं बल्कि सस्टेनेबल, क्लाइमेट रेजिलिएंट और इनोवेटिव सिटीज के रूप में विकसित करने की संभावनाओं का इस पुस्तक में विस्तृत वर्णन किया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शहरीकरण की चुनौतियों को अवसर में बदलने के दिए गए मार्गदर्शन को गुजरात ऊर्जा विकास निगम की प्रबंध निदेशक सुश्री शालिनी अग्रवाल ने विश्व के विभिन्न देशों के अर्बन डेवलपमेंट और अर्बनाइजेशन के अनुरूप भविष्य के शहरी विकास के विजन के साथ इस पुस्तक में सटीक रूप से शामिल किया है।

इस पुस्तक में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण आने वाले समय में पर्यावरण और सामाजिक चुनौतियों के लिए विशेष पूर्व योजना और नीति निर्माण के महत्व को भी शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, इस पुस्तक में शहरीकरण के साथ बढ़ती ऊर्जा मांग, संसाधनों की खपत और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण उत्पन्न होने वाले क्लाइमेट चेंज के प्रभावों के समाधान के विचारों को भी शामिल किया गया है।

भारत में भी शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और 2047 तक इसमें बड़े पैमाने पर वृद्धि होने की संभावना है। इस आर्थिक विकास यात्रा में शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाली है। बढ़ते शहरीकरण के कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर, हाउसिंग, पानी और मूलभूत सेवाओं पर दबाव बढ़ता है। इसलिए शहरों की सुव्यवस्थित योजना और टिकाऊ विकास बहुत आवश्यक है, जिसकी इस पुस्तक में विस्तार से चर्चा की गई है।

सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए फंडिंग के मार्ग दर्शाते हुए पुस्तक में बताया गया है कि क्लाइमेट रेजिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए ग्रीन बॉन्ड, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, कार्बन मार्केट और क्लाइमेट फाइनेंस जैसे प्रयासों के माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश प्राप्त किया जा सकता है। इन साधनों के द्वारा शहर आवश्यक पूंजी एकत्र कर सकते हैं। इसके साथ ही स्थानीय स्वराज संस्थाओं की वित्तीय क्षमता को मजबूत बनाने और म्युनिसिपल फाइनेंस सिस्टम को अधिक सुदृढ़ बनाने जैसे विषयों को भी पुस्तक में शामिल किया गया है।

पुस्तक में विस्तृत वर्णन किया गया है कि शहर समस्याओं का कारण नहीं हैं, बल्कि ऐसे प्लेटफॉर्म हैं जहां सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान विकसित किए जा सकते हैं। उचित आयोजन, टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल नीतियों के माध्यम से शहरों को विकास के केंद्र और ग्रीन भविष्य के आधारस्तंभ बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सरदार एकता यात्रा को प्रस्थान करवाया

जय सरदार, सबके सरदार! का नारा गूंज उठा

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

▸▸ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण से श्री नरेन्द्रभाई ने लौहपुरुष सरदार पटेल को श्रेष्ठ श्रद्धांजलि दी है

▸▸ यह यात्रा सरदार साहब के समर्पण, देशप्रेम तथा उनकी अटल एकता की भावना को जन-जन में जीवंत करेगी

▸▸ सरदार साहब की तरह सबके मन में नेशन फर्स्ट की भावना उजागर करने का प्रधानमंत्री का संकल्प है

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अखिल भारतीय कुर्मी पाटीदार महासभा द्वारा आयोजित सरदार एकता यात्रा को गुरुवार को अहमदाबाद से प्रस्थान करवाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा सरदार साहब का सम्मान किया है। 2014 से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार साहब की जयंती को पूरे देश में राष्ट्रीय 'एकता दिवस' के रूप में मनाने की परंपरा शुरू करवाई है। विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण से श्री नरेन्द्रभाई ने लौहपुरुष सरदार पटेल को श्रेष्ठ श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने जोड़ा कि सरदार साहब की यह विराट प्रतिमा पूरे विश्व में भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक बनी है ।

श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से हम देश की एकता एवं अखंडता के शिल्पकार लोक पुरुष सरदार साहब की 150वीं जयंती मना रहे हैं । उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में 565 देसी रियासतों को एक सूत्र में बांधकर एक और अखंड भारत बनाया था। सरदार साहब के उसी विचारों और जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाकर प्रधानमंत्री 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जोड़ा कि सरदार साहब की तरह सबके मन में नेशन फर्स्ट की भावना उजागर करने का प्रधानमंत्री का संकल्प है ।

गुजरात तथा मध्य प्रदेश के क्षेत्रों में आयोजित होने वाली इस यात्रा में सरदार साहब के जीवन से जुड़ी अमूल्य वस्तुओं को आमजन के दर्शन के लिए रखने के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि यह यात्रा सरदार साहब के समर्पण, देशप्रेम तथा उनकी अटल एकता की भावना को जन-जन में जीवंत करेगी।

मुख्यमंत्री ने देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहने तथा स्वदेशी के मंत्र को अपनाने का आह्वान किया। स्वदेशी को जीवन का हिस्सा बनाना समय की मांग है। उन्होंने जोड़ा कि हम सब एक होकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेंगे, यही सरदार साहब को सच्ची भावांजलि होगी।

के.पी. विद्यार्थी भवन के प्रमुख तथा यात्रा के आयोजक श्री सतीशभाई पटेल ने स्वागत भाषण दिया। पूर्व मंत्री श्री गोरधनभाई झडफिया ने प्रासंगिक भाषण में राष्ट्रव्यापी सरदार एकता यात्रा के आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सरदार एकता यात्रा के प्रस्थान के समय 'जय सरदार, सबके सरदार!' का नारा गूंज उठा।

इस अवसर पर सरदार धाम के अध्यक्ष श्री गगजीभाई सुतारिया, पाटीदार अग्रणी, अखिल भारतीय कुर्मी पाटीदार महासभा के प्रमुख, सरदार पटेल राष्ट्रीय स्मारक के मानद सचिव श्री आर.एस. पटेल सहित सरदार-प्रेमी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में एसएमवीएस संस्था के संस्थापक पू. बापजी का 93वां प्राकट्य महोत्सव आयोजित

एमएसवीएस जैसे संस्थान शिक्षा और संस्कार के साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी के समन्वय से प्रधानमंत्री के मंत्र 'विकास भी, विरासत भी' को साकार कर रहे हैं : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में अहमदाबाद के रिवरफ्रंट में स्वामीनारायण मंदिर वासणा संस्था (एसएमवीएस) के संस्थापक गुरुदेव पू. बापजी का 93वां प्राकट्य महोत्सव भव्य रूप से उत्सव मनाया गया।

'साबरमतीना कांठे एक आदर्श शिल्पी' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने एसएमवीएस के संस्थापक पूज्य बापजी की दिव्य चेतना को वंदन किया और सभी को एकता, प्रेम एवं समरसता के पर्व धुलंडी की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत, शास्त्र और मंदिर भारतीय संस्कृति के मुख्य आधार स्तंभ हैं, ऐसे में एसएमवीएस संस्था शिक्षा, सेवा और संस्कार की त्रिवेणी सरिता प्रवाहित कर इन स्तंभों को और भी मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि पूज्य बापजी द्वारा बोया गया भक्ति का बीज आज वटवृक्ष बनकर लाखों हरिभक्तों को सत्संग की छाया प्रदान कर रहा है।

श्री पटेल ने भगवान स्वामीनारायण की शिक्षापत्री की आज्ञा को सिर-माथे स्वीकार करते हुए एसएमवीएस द्वारा भूकंप, बाढ़, चक्रवात या कोरोना महामारी जैसी प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं के दौरान हमेशा आगे बढ़कर किए जाने वाले सेवा कार्यों की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

▸▸ 'हैप्पी परिवार' के माध्यम से 'हैप्पी गुजरात' बनाया जा सकता है, और इस प्रकार 'हैप्पी भारत' का स्वप्न साकार होगा

▸▸ टेक्नोलॉजी के युग में युवाओं में चिप डिजाइन, एआई और एडवांस टेक्नोलॉजी के कौशल विकास के लिए एसएमवीएस जैसे संस्थान तकनीकी पाठ्यक्रमों के जरिए सहयोगी बने

▸▸ भूकंप, बाढ़, चक्रवात या कोरोना जैसी महामारी के दौरान एसएमवीएस संस्था का सेवा कार्य महत्वपूर्ण रहा

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पूज्य सत्य संकल्पदास जी स्वामी के नेतृत्व में इन सेवा कार्यों में तेजी आई है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में एसएमवीएस हॉस्पिटल का निर्माण, शिक्षा क्षेत्र में गांधीनगर में कन्या गुरुकुल और पंचमहाल जिले में आदिवासी बच्चों के लिए निःशुल्क गुरुकुल के अलावा होनहार विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता और छात्रवृत्ति जैसी गतिविधियों की प्रशंसा की।

श्री पटेल ने प्रधानमंत्री के सूत्र 'विकास भी, विरासत भी' का स्मरण करते हुए कहा कि मंदिर सनातन धर्म का अभिन्न अंग है। उनके ही नेतृत्व में आज हमें हजार वर्ष की उस सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने का अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अब सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में दुनिया में नेतृत्व कर रहा है। साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का लोकार्पण आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने एसएमवीएस जैसे संस्थानों से अनुरोध किया कि वे बदलते समय की मांग के अनुरूप युवाओं में चिप डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडवांस टेक्नोलॉजी का कौशल विकसित करने के लिए तकनीकी पाठ्यक्रमों के जरिए सहयोगी बनें।

मुख्यमंत्री ने हरिभक्तों से प्रधानमंत्री के नौ संकल्पों जैसे कि जल संरक्षण-'कैच द रेन', 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत वृक्षारोपण, स्वच्छता, वोकल फॉर लोकल, प्राकृतिक खेती और योग को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। श्री पटेल ने 'हैप्पी परिवार' के माध्यम से 'हैप्पी गुजरात' की संकल्पना की चर्चा करते हुए कहा कि यदि राज्य का प्रत्येक परिवार सुखी होगा, तो राज्य सुखी होगा और यदि राज्य सुखी होगा, तो देश भी सुखी बनेगा। इस प्रकार, उन्होंने सभी लोगों से 'हैप्पी भारत' के स्वप्न को पूरा करने के लिए देश के विकास में सहभागी बनने की अपील की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आगामी 21 दिसंबर, 2026 को अनादिमुक्त विश्वम संस्थान के प्रथम संकुल के लोकार्पण, शिखरबद्ध मंदिर और अनादिमुक्त पीठिका के निर्माण की तारीखों की ऑनलाइन माध्यम से घोषणा की।

इस कार्यक्रम में एसएमवीएस संस्था के प्रमुख पू. सत्यसंकल्पदास जी स्वामी, पू. भक्तवत्सलदास जी, पू. निर्गुणजीवनदास जी सहित कई संत, महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन, अहमदाबाद (पश्चिम) के सांसद श्री हसमुखभाई पटेल, स्थानीय विधायकगण, महानुभावों सहित बड़ी संख्या में हरिभक्त उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर वडोदरा में सजेगी 'स्वर शक्ति' की संगीत संध्या, महिला कलाकारों की प्रतिभा को मिलेगा बड़ा मंच

(जीएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर Vadodara में संगीत और कला के माध्यम से महिलाओं की प्रतिभा और शक्ति का उत्सव मनाने की तैयारी की जा रही है। शहर में पहली बार पूरी तरह महिला कलाकारों द्वारा प्रस्तुत एक विशेष संगीत कार्यक्रम 'स्वर शक्ति' आयोजित किया जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण और कला की अभिव्यक्ति का अनूठा संगम बनेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को अपनी कला और हुनर को एक बड़े मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर देना है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान बना सकें और समाज में अपनी रचनात्मक भूमिका को और मजबूत कर सकें।

यह विशेष संगीत कार्यक्रम 8 मार्च को आयोजित होने वाले International Women's Day के अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान Maharaja Sayajirao University of Baroda के फैकल्टी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम आम जनता के लिए पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें शामिल होकर महिला कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद ले सकें और उनके प्रयासों को प्रोत्साहन दे सकें। कार्यक्रम को लेकर शहर में संगीत प्रेमियों के बीच काफी उत्साह देखा जा रहा है।

'स्वर शक्ति' केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसे एक बड़े उद्देश्य के साथ आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों का मानना है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से शहर में एक पेशेवर ऑल-विमेन म्यूजिशियन ग्रुप के गठन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। इस पहल का मकसद ऐसी महिला कलाकारों को एक मंच पर लाना है, जो संगीत के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हैं और बड़े मंचों पर प्रदर्शन करने की क्षमता रखती हैं। यदि यह प्रयास सफल होता है तो भविष्य में वडोदरा से एक पेशेवर महिला संगीत बैंड तैयार किया जा सकता है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रस्तुति दे सके। कार्यक्रम में भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा में महिलाओं के योगदान को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

संगीत की विविध विधाओं को शामिल करते हुए कलाकारों द्वारा शास्त्रीय गायन, ग़ज़ल, लोक संगीत, सॉफ्ट म्यूजिक, इंस्ट्रुमेंटल और आधुनिक संगीत की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस विविधता के माध्यम से दर्शकों को भारतीय संगीत की अलग-अलग शैलियों का अनुभव मिलेगा और यह कार्यक्रम एक संपूर्ण संगीत यात्रा जैसा अनुभव देगा।

इस संगीत समूह में वडोदरा की अलग-अलग आयु वर्ग की प्रतिभाशाली महिलाएं शामिल हैं। इनमें 15 वर्ष की छात्राओं से लेकर 50 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाएं भी शामिल हैं। इस समूह की खास बात यह है कि इसमें छात्राएं, गृहिणियां और कामकाजी महिलाएं एक साथ जुड़ी हुई हैं, जो अपने दैनिक जीवन की जिम्मेदारियों के साथ-साथ संगीत के प्रति अपने जुनून को भी आगे बढ़ा रही हैं। इन सभी प्रतिभागियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ आधुनिक संगीत शैलियों का भी प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे उनकी प्रस्तुतियां और अधिक प्रभावशाली बन सकें।

कार्यक्रम के दौरान कलाकार पारंपरिक भारतीय वाद्ययंत्रों के साथ अपनी प्रस्तुति देंगी। इनमें हारमोनियम, तबला, ढोल और वायलिन जैसे वाद्ययंत्रों का उपयोग किया जाएगा। इन वाद्ययंत्रों की धुनों के साथ जब महिला कलाकारों की आवाज और सुरों का मेल होगा, तो यह संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव बनने वाला है। आयोजकों का कहना है कि कार्यक्रम की प्रस्तुति इस तरह तैयार की गई है कि दर्शकों को भारतीय संगीत की विविधता और सौंदर्य का एक साथ अनुभव हो सके।

इस पहल का नेतृत्व शहर के प्रसिद्ध संगीत प्रशिक्षक Ashita Limaye और Sachin Limaye कर रहे हैं। दोनों लंबे समय से संगीत के क्षेत्र में सक्रिय हैं और वडोदरा में संगीत प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन करते रहे हैं। उनका मानना है कि महिलाओं में अपार प्रतिभा होती है, लेकिन कई बार उन्हें उचित मंच और अवसर नहीं मिल पाते। 'स्वर शक्ति' के माध्यम से वे ऐसी प्रतिभाशाली महिलाओं को मंच प्रदान करना चाहते हैं, ताकि वे अपनी कला को दुनिया के सामने प्रस्तुत कर सकें।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कई संस्थाओं और व्यक्तियों का सहयोग भी मिला है। आयोजकों ने विशेष रूप से चार्जज़ोन की ओर से मिले सहयोग के लिए Kinnari Hariyani का आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि इस तरह के सहयोग से ही सांस्कृतिक और सामाजिक पहल को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है और कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण लोकप्रिय रियलिटी शो Indian Idol की फाइनलिस्ट और वडोदरा की उभरती हुई गायिका Kavya Limaye की विशेष प्रस्तुति होगी। काव्या लिमये ने कम उम्र में ही अपने सुरों और गायन शैली से देशभर के दर्शकों का दिल जीता है। उनकी उपस्थिति कार्यक्रम में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगी। आयोजकों का मानना है कि काव्या की प्रस्तुति न केवल दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी बल्कि युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी साबित होगी।

आयोजकों के अनुसार 'स्वर शक्ति' का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से यह संदेश देना भी है कि जब महिलाओं को सही अवसर और मंच मिलता है, तो वे किसी भी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा से नई पहचान बना सकती हैं। यह कार्यक्रम उन महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बनेगा जो कला और संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती हैं लेकिन अभी तक उन्हें उचित मंच नहीं मिल पाया है।

संगीत की मधुर धुनों और महिलाओं की सशक्त आवाजों के साथ यह कार्यक्रम न केवल वडोदरा के सांस्कृतिक जीवन को समृद्ध करेगा बल्कि यह भी साबित करेगा कि कला और संगीत समाज को जोड़ने और प्रेरित करने की अद्भुत शक्ति रखते हैं। महिला दिवस के इस विशेष अवसर पर आयोजित 'स्वर शक्ति' निश्चित रूप से शहर के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक यादगार आयोजन के रूप में दर्ज होने जा रहा है।

त्योहारों से पहले सूरत में मिलावट का बड़ा भंडाफोड़, पांडेसरा की फैक्ट्री से डेढ़ टन संदिग्ध पनीर और लाखों की मशीनरी जब्त

(जीएनएस)। सूरत शहर में खाद्य सुरक्षा को लेकर एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है, जिसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थ कितने सुरक्षित हैं। त्योहारों के मौसम में जब दूध और उससे बने उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ जाती है, उसी समय मिलावटखोर भी सक्रिय हो जाते हैं। इसी कड़ी में सूरत पुलिस के स्पेशियल ऑपरेशन ग्रुप और सूरत नगर निगम के फूड एंड सेफ्टी विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पांडेसरा क्षेत्र में संचालित एक संदिग्ध पनीर फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। इस छापेमारी में भारी मात्रा में तथाकथित 'एनालॉग पनीर' के साथ-साथ लाखों रुपये की मशीनरी और अन्य सामग्री बरामद की गई। इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासन की सख्ती भी साफ दिखाई दी।

पुलिस और फूड सेफ्टी विभाग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जानकारी मिली थी कि पांडेसरा इलाके में एक मकान में अवैध तरीके से पनीर तैयार किया जा रहा है और उसे शहर की विभिन्न डेयरियों और दुकानों में सप्लाई किया जाता है। सूचना मिलते ही एसओजी और फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने योजना बनाकर भिड़भंजन सोसाइटी के ब्लॉक नंबर 278 में छापा मारा। जब टीम ने मौके पर जांच शुरू की तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी भी चौंक गए। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में बिना ब्रांड का पनीर तैयार किया जा रहा था, जिसकी गुणवत्ता और शुद्धता पर गंभीर

सवाल खड़े हो गए।

छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने करीब 1401 किलोग्राम संदिग्ध पनीर बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग तीन लाख आठ हजार रुपये बताई गई है। यह पनीर खुले रूप में रखा हुआ था और इसे बाजार में बेचने की तैयारी की जा रही थी। इसके अलावा पनीर बनाने में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक मशीनें भी वहां मौजूद थीं। इनमें पाश्चराइजेशन मशीन, होमोजेनाइजर और स्टोरेज प्लांट जैसी महंगी मशीनरी शामिल थी, जिनकी कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी गई है। इन सभी मशीनों और उपकरणों को भी जब्त कर लिया गया और फैक्ट्री को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

जांच के दौरान टीम को कई अन्य संदिग्ध सामग्री भी मिली। फैक्ट्री में पामोलिन ऑयल के 28 खाली डिब्बे और 16 भरे हुए डिब्बे बरामद हुए, जिनका इस्तेमाल कथित रूप से पनीर बनाने की प्रक्रिया में किया जाता था। इसके अलावा एसिडिक एसिड के कंटेनर भी पाए गए, जिससे यह आशंका और मजबूत हो गई कि यहां तैयार किया जा रहा पनीर पूरी तरह से प्राकृतिक या शुद्ध नहीं था। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे रसायनों और तेलों का उपयोग कर तैयार किया गया तथाकथित 'एनालॉग पनीर' स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

छापेमारी के समय फैक्ट्री में मौजूद मैनेजर महेशकुमार पूर्णशंकर शर्मा को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। वह मूल रूप से राजस्थान के उदयपुर जिले का निवासी है और फिलहाल सूरत के अलथान क्षेत्र में रहता है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह पिछले दो वर्षों से इस कारोबार में लगा हुआ था। उसने स्वीकार किया कि फैक्ट्री में रोजाना करीब 400 किलोग्राम पनीर तैयार किया जाता था और इसे शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित डेयरियों और दुकानों में सप्लाई किया जाता था। यह पनीर थोक और खुदरा दोनों तरह से बेचा जाता था, जिससे उसे अच्छा मुनाफा हो रहा था।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी इस पनीर को "नॉन ब्रांड लूज एनालॉग पनीर" नाम के स्टिकर लगाकर बाजार में बेचता था। फैक्ट्री से ऐसे लगभग 3000 स्टिकर बरामद किए गए हैं, जिन्हें पैकेट पर चिपकाकर उत्पाद को वैध दिखाने की कोशिश की जाती थी। इसके अलावा करीब 1000 प्लास्टिक पैकेट भी मिले हैं, जिनका उपयोग पनीर की पैकिंग के लिए किया जाता था। अधिकारियों के अनुसार इस तरह की पैकिंग और स्टिकर लगाकर ग्राहकों को भ्रमित किया जाता था, जिससे उन्हें यह लगे कि वे किसी वैध उत्पाद को खरीद रहे हैं।

बताया गया है कि यह पनीर बाजार में 220 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से बेचा जाता था, जो असली पनीर की तुलना में काफी सस्ता था।

पश्चिम रेलवे द्वारा अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के दौरान,गहन टिकट जाँच अभियानों से जुर्माने के रूप में प्राप्त की गई,191 करोड़ रुपये से अधिक की राशि

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे अपने नेटवर्क पर बिना टिकट तथा अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक एवं सतत टिकट जाँच अभियानों के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है। राजस्व संरक्षण तथा यात्री अनुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान पश्चिम रेलवे के टिकट जाँच कर्मचारियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की सक्रिय निगरानी में अत्यंत प्रेरित टिकट जाँच कर्मचारियों की टीम ने मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर सेवाओं तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में सघन जाँच अभियान चलाए हैं। इन अभियानों का उद्देश्य राजस्व हानि को रोकना तथा यात्रियों में अनुशासित और वैध यात्रा को प्रोत्साहित करना रहा है।

अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 की अवधि में लगभग 30 लाख बिना टिकट/अनियमित यात्रियों का पता लगाया गया, जिसमें बिना बुक किए गए सामान के मामले भी शामिल हैं, जिसके परिणामस्वरूप 191 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 42% अधिक है। फरवरी 2026 के दौरान ही लगभग 3 लाख बिना टिकट/अनियमित यात्रा के मामलों का पता लगाकर 18.50 करोड़ रुपये की राशि वसूली गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10% से अधिक की वृद्धि को दर्शाती है। मुंबई उपनगरीय खंड में सघन टिकट जाँच अभियानों से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए। फरवरी 2026 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा के कुल 87 हजार मामले दर्ज किए गए, जिससे 4.28 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई।

कुल मिलाकर, अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 की अवधि के दौरान मुंबई उपनगरीय खंड में 10 लाख से अधिक मामलों का पता लगाया गया, जिससे लगभग 50 करोड़ रुपये (एसी लोकल में जुर्माने सहित) की वसूली हुई। यह उपनगरीय नेटवर्क में अनुशासित और अधिकृत यात्रा सुनिश्चित करने के प्रति पश्चिम रेलवे के निरंतर प्रयास को दर्शाता है।

पश्चिम रेलवे ने एसी उपनगरीय लोकल ट्रेनों में भी विशेष टिकट जाँच अभियान जारी रखे हैं। सामान्य टिकट धारकों द्वारा अनधिकृत यात्रा को रोकने के लिए नियमित औचक जाँच की गई। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच एसी लोकल सेवाओं में 1.16 लाख से अधिक जुर्माने के मामले दर्ज किए गए, जिससे 3.76 करोड़ रुपये की राशि जुर्माने के रूप में वसूल की गई। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 99% की वृद्धि दर्शाता है।

पढ़ाई के सपनों पर परिवार की रोक, लेकिन हिम्मत नहीं हारी—राजकोट की छात्रा को मिला सखी सेंटर का सहारा

(जीएनएस)। Rajkot में एक 19 वर्षीय छात्रा की शिक्षा के अधिकार के लिए लड़ी गई जिद और साहस की कहानी सामने आई है, जिसमें कठिन पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद उसने अपने सपनों को टूटने नहीं दिया। परिवार के विरोध, मानसिक उत्पीड़न और लगातार मिल रही धमकियों के बीच भी छात्रा ने पढ़ाई जारी रखने का निर्णय लिया और अंततः सामाजिक संस्थाओं तथा प्रशासनिक सहयोग के कारण वह सुरक्षित तरीके से अपनी कॉलेज परीक्षा भी दे सकी।

इस पूरी प्रक्रिया में Sakhi One Stop Centre ने उसके लिए मजबूत सहारा बनकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मामले के अनुसार यह छात्रा बी.ए. के दूसरे वर्ष यानी SYBA में अध्ययन कर रही है और अपने भविष्य को लेकर गंभीर है। लेकिन उसके घर का माहौल उसके लिए लगातार कठिन होता जा रहा था। काउंसलिंग के दौरान सामने आया कि उसके माता-पिता और बड़ी बहन पढ़ाई को लेकर उस पर लगातार मानसिक

दबाव बना रहे थे। छात्रा का कहना है कि उसकी बड़ी बहन उसके कॉलेज जाने को लेकर संदेह व्यक्त करती थी और उसके चरित्र पर भी सवाल उठाए जाते थे। इस वजह से परिवार के भीतर तनाव का माहौल बन गया था और उसे पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा था।

स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि छात्रा को कॉलेज जाने से रोकने की कोशिश की गई। उसने आरोप लगाया कि परिवार की ओर से उसे कई बार डराया-धमकाया गया और मारपीट की धमकी भी दी गई। छात्रा को यह डर सताने लगा कि कहीं उसे परीक्षा देने से भी न रोक दिया जाए। इस मानसिक दबाव के बीच उसने साहस जुटाते हुए मदद के लिए आगे आने का फैसला किया और महिला पुलिस थाने में आवेदन देकर अपनी स्थिति से अधिकारियों को अवगत कराया। महिला पुलिस की पहल के बाद छात्रा को सुरक्षा प्रदान करते हुए उसे Sakhi One Stop Centre में आश्रय दिया गया। यह केंद्र महिलाओं को संकट की स्थिति में सुरक्षा, कानूनी सहायता, काउंसलिंग और अन्य जरूरी सहयोग प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यहां पहुंचने के बाद छात्रा को सुरक्षित माहौल मिला और उसकी काउंसलिंग की गई। सेंटर की काउंसलर यास्मीन बहन और कल्पना बहन ने उसके साथ विस्तृत बातचीत कर उसे मानसिक रूप से मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया। काउंसलिंग के दौरान छात्रा ने अपनी पूरी स्थिति बताई और कहा कि वह केवल अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती है ताकि भविष्य में आत्मनिर्भर बन सके। सेंटर की टीम ने उसकी स्थिति को गंभीरता से समझा और यह सुनिश्चित किया कि वह बिना किसी डर के अपनी परीक्षा दे सके। इसके लिए एक विशेष व्यवस्था बनाई गई ताकि छात्रा सुरक्षित तरीके से परीक्षा केंद्र तक पहुंच सके और वापस लौट सके।

इस दौरान सामाजिक सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। Saibaba Charitable Trust की सदस्य Rupalben Shah ने छात्रा की मदद के लिए आगे आकर सहयोग प्रदान किया। उनके सहयोग से छात्रा को सुरक्षित तरीके से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया गया। परीक्षा के दौरान भी उसकी सुरक्षा और मानसिक स्थिति का ध्यान रखा गया ताकि वह पूरी एकाग्रता के साथ अपनी परीक्षा दे सके।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 'कवांट गेर मेला' पर आधारित डाक टिकट तथा विशेष कवर का अनावरण किया

▸▸ पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने मुख्यमंत्री को डाक टिकट की प्रथम प्रति भेंट की

▸▸ छोटा उदेपुर जिले के कवांट में हर वर्ष आयोजित होने वाले प्रसिद्ध आदिवासी सांस्कृतिक उत्सव 'कवांट गेर मेला' पर डाक टिकट जारी होना गुजरात की समृद्ध आदिवासी परंपराओं तथा सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 'कवांट गेर मेला' की सांस्कृतिक महत्ता को उजागर करने वाले डाक टिकट तथा विशेष कवर की प्रथम प्रति का गुरुवार को गांधीनगर में अनावरण किया।

उत्तर गुजरात तथा दक्षिण गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को यह डाक टिकट तथा कवर भेंट किए।

राज्य की समृद्ध आदिवासी परंपराओं तथा सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

इस अवसर पर छोटा उदेपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सांसद श्री जशुभाई राठवा, विधायक श्री अभेसिंह तडवी, छोटा उदेपुर जिला कलेक्टर श्रीमती गार्गी जैन, प्रवर डाक अधीक्षक श्री आर. बी. ठाकोर तथा राठवा आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि राज्य की आदिवासी संस्कृति, कला एवं परंपराओं का संरक्षण करने तथा उसे आने वाली पीढ़ी तक पहुँचाने वाला 'कवांट गेर मेला' केवल एक उत्सव नहीं है; बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य, सामाजिक समरसता एवं पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं का जीवंत प्रतीक है।

पुरी स्टेशन पर ब्लॉक के कारण गांधीधाम-पुरी आंशिक निरस्त रहेगी

(जीएनएस)। पूर्व तट रेलवे के खुर्दा रोड मंडल के पुरी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म अपग्रेडेशन का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के लिए 60 दिनों का ब्लॉक लिया गया है। इस कारण गांधीधाम-पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनें आंशिक निरस्त रहेगी। विवरण निम्नानुसार हैः

आंशिक निरस्त ट्रेनें

ट्रेन संख्या 12993 गांधीधाम–पुरी एक्सप्रेस 13, 20, 27 मार्च; 3, 10, 17, 24 अप्रैल; 1, 8 मई 2026 को साक्षीगोपाल स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

ट्रेन संख्या 12994 पुरी–गांधीधाम एक्सप्रेस 16, 23, 30 मार्च; 6, 13, 20, 27 अप्रैल; 4, 11 मई 2026 को साक्षीगोपाल स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

ट्रेन संख्या 22973 गांधीधाम–पुरी एक्सप्रेस 11, 18, 25 मार्च; 1, 8, 15, 22, 29 अप्रैल; 6, 13 मई 2026 को साक्षीगोपाल स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

ट्रेन संख्या 22974 पुरी–गांधीधाम एक्सप्रेस 14, 21, 28 मार्च; 4, 11, 18, 25 अप्रैल; 2, 9, 16 मई 2026 को साक्षीगोपाल स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

यात्रियों से अनुरोध है उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर यात्रा करें। ट्रेन के परिचालन समय, ठहराव एवं संरचना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए भारतीय रेलवे की अधिकृत वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें।

पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बीच चलाएगी,दो सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

(जीएनएस)। यात्रियों की सुविधा तथा बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बीच विशेष किराये पर दो सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें चलाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09027/09028 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट तेजस स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09027 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद स्पेशल शनिवार, 07 मार्च 2026 को मुंबई सेंट्रल से 23:45 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 08:30 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09028 अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल स्पेशल सोमवार, 09 मार्च 2026 को अहमदाबाद से 03:00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 11:15 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

a. इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर तथा एसी 3-टियर श्रेणी के कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09021/09022 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09021 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद स्पेशल रविवार, 08 मार्च 2026 को मुंबई सेंट्रल से 06:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 12:40 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09022 अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल स्पेशल रविवार, 08 मार्च 2026 को अहमदाबाद से 15:10 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21:45 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में विस्टाडोम, एग्जीक्यूटिव अनुभूति, एग्जीक्यूटिव चेयर कार तथा एसी चेयर कार कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09027 एवं 09028 की बुकिंग 06.03.2026 से तथा ट्रेन संख्या 09021 एवं 09022 की बुकिंग 07.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सोना वायदा में 275 रुपये की वृद्धिः चांदी वायदा में 1145 रुपये की नरमीः क्रूड ऑयल वायदा में 156 रुपये की तेजी

(जीएनएस)। मुंबईः देश के अग्रणी कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर कमोडिटी वायदा, ऑप्शंस और इंडेक्स फ्यूचर्स में 79406.31 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज हुआ। कमोडिटी वायदाओं में 20829.94 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जबकि कमोडिटी ऑप्शंस में 58576.37 करोड़ रुपये का नॉशनल टर्नओवर हुआ। कमोडिटी ऑप्शंस में कुल प्रीमियम टर्नओवर 2022.42 करोड़ रुपये का हुआ।

कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदाओं में 15286.22 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। एमसीएक्स सोना अप्रैल वायदा सत्र के आरंभ में 162750 रुपये के भाव पर खूलकर, 163142 रुपये के दिन के उच्च और 160530 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 161525 रुपये के पिछले बंद के सामने 275 रुपये या 0.17 फीसदी की मजबूती के साथ 161800 रुपये प्रति 10 ग्राम बोला गया। गोल्ड-गिनी मार्च वायदा 566 रुपये या 0.43 फीसदी घटकर 132394 रुपये प्रति 8 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। गोल्ड-पेटल मार्च वायदा 51 रुपये या 0.31 फीसदी घटकर 16641 रुपये प्रति 1 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। सोना-मिनी मार्च वायदा 160750 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 160750 रुपये और नीचे में 158853 रुपये पर पहुंचकर, 106 रुपये या 0.07 फीसदी घटकर 159500 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। गोल्ड-टेन मार्च वायदा प्रति 10 ग्राम 164699 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 164699 रुपये और नीचे में 161700 रुपये पर पहुंचकर, 163099 रुपये के पिछले बंद के सामने 150 रुपये या 0.09 फीसदी घटकर 162949 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था।

▸▸ कमोडिटी वायदाओं में 20829.94 करोड़ रुपये और कमोडिटी ऑप्शंस में 58576.37 करोड़ रुपये का दर्ज हुआ टर्नओवरः सोना-चांदी के वायदाओं में 15286.22 करोड़ रुपये का हुआ कारोबार

चांदी के वायदाओं में चांदी मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 265738 रुपये के भाव पर खूलकर, 266150 रुपये के दिन के उच्च और 257100 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 261390 रुपये के पिछले बंद के सामने 1145 रुपये या 0.44 फीसदी लुढ़ककर 260245 रुपये प्रति किलो बोला गया। इनके अलावा चांदी-मिनी अप्रैल वायदा 250 रुपये या 0.09 फीसदी घटकर 271518 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि चांदी-माइक्रो अप्रैल वायदा 345 रुपये या 0.13 फीसदी गिरकर 271620 रुपये प्रति किलो के भाव पर पहुंचा।

मेटल वर्ग में 1952.71 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। तांबा मार्च वायदा 9.5 रुपये या 0.79 फीसदी घटकर 1199.8 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि जस्ता मार्च वायदा 1.5 रुपये या 0.46 फीसदी औंधकर 326.35 रुपये प्रति किलो पर आ गया। इसके सामने एल्यूमीनियम मार्च वायदा 2.65 रुपये या 0.8 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 332.9 रुपये प्रति किलो पर आ गया। जबकि सीसा मार्च वायदा 65 पैसे या 0.34 फीसदी घटकर 188.7 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था।

इन जिंसों के अलावा कारोबारियों ने एनर्जी सेगमेंट में 3525.14 करोड़ रुपये के सौदे किए। एमसीएक्स क्रूड ऑयल मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 7060 रुपये के भाव पर खूलकर, 7175 रुपये के दिन के उच्च और 6992 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 156 रुपये या 2.25 फीसदी की बढ़त के साथ 7093 रुपये प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहा था। जबकि क्रूड ऑयल-मिनी मार्च वायदा 154 रुपये या 2.22 फीसदी की मजबूती के साथ 7091 रुपये प्रति बैरल बोला गया। इनके अलावा नैचुरल गैस मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 275 रुपये के भाव पर खूलकर, 277.4 रुपये के दिन के उच्च और 272.6 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 272.4 रुपये के पिछले बंद के सामने 2.6 रुपये या 0.95 फीसदी की मजबूती के साथ 275 रुपये प्रति एमएमबीटीयू बोला गया। जबकि नैचुरल गैस-मिनी मार्च वायदा 2.6 रुपये या 0.95 फीसदी की बढ़त के साथ 275 रुपये प्रति एमएमबीटीयू के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कृषि जिंसों में मेंथा ऑयल मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 952 रुपये के भाव पर खूलकर, 2.9 रुपये या 0.3 फीसदी लुढ़ककर 951.5 रुपये प्रति किलो बोला गया।

कारोबार की दृष्टि से एमसीएक्स पर सोना के विभिन्न अनुबंधों में 8558.67 करोड़ रुपये और चांदी के विभिन्न अनुबंधों में 6727.55 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। इसके अलावा तांबा के वायदाओं में 1238.04 करोड़ रुपये, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम-मिनी के वायदाओं में 467.34 करोड़ रुपये, सीसा और सीसा-मिनी के वायदाओं में 4.83 करोड़ रुपये, जस्ता और जस्ता-मिनी के वायदाओं में 242.51 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इन जिंसों के अलावा क्रूड ऑयल और क्रूड ऑयल-मिनी के वायदाओं में 2607.02 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। जबकि नैचुरल गैस और नैचुरल गैस-मिनी के वायदाओं में 907.99 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

ओपन इंटरेस्ट सोना के वायदाओं में 9504 लोट, सोना-मिनी के वायदाओं में 60194 लोट, गोल्ड-गिनी के वायदाओं में 29524 लोट, गोल्ड-पेटल के वायदाओं में 427151 लोट और गोल्ड-टेन के वायदाओं में 60036 लोट के स्तर पर था। जबकि चांदी के वायदाओं में 7306 लोट, चांदी-मिनी के वायदाओं में 19026 लोट और चांदी-माइक्रो वायदाओं में 69827 लोट के स्तर पर था। क्रूड ऑयल के वायदाओं में 21586 लोट और नैचुरल गैस के वायदाओं में 29551 लोट के स्तर पर था।

कमोडिटी ऑप्शंस ऑन फ्यूचर्स में क्रूड ऑयल मार्च 7000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति बैरल 54.3 रुपये की बढ़त के साथ 513.1 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस मार्च 280 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति एमएमबीटीयू 1.4 रुपये की बढ़त के साथ 16.8 रुपये हुआ।

सोना मार्च 200000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति 10 ग्राम 66 रुपये की गिरावट के साथ 245 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी मार्च 400000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 297.5 रुपये की गिरावट के साथ 1134 रुपये हुआ। तांबा मार्च 1200 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 5.75 रुपये की गिरावट के साथ 32.64 रुपये हुआ। जस्ता मार्च 350 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 26 पैसे के सुधार के साथ 0.85 रुपये हुआ।

पुट ऑप्शंस में क्रूड ऑयल मार्च 7000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति बैरल 104.6 रुपये की गिरावट के साथ 418.2 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस मार्च 270 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति एमएमबीटीयू 75 पैसे की नरमी के साथ 15.9 रुपये हुआ।

सोना मार्च 140000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति 10 ग्राम 19.5 रुपये की बढ़त के साथ 470 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी मार्च 200000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 58 रुपये की गिरावट के साथ 1880 रुपये हुआ। तांबा मार्च 1200 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 4.51 रुपये की बढ़त के साथ 32.64 रुपये हुआ। जस्ता मार्च 320 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 1.58 रुपये की बढ़त के साथ 4.5 रुपये हुआ।